www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
2 जुलाई 2026
वर्षः 49
अंकः 66 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

● क्या डिलीट की चैट और कॉल? पुलिस ने सब बताया

हत्या से पहले सिया ने छीन लिया था केतन का फोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के हाई-प्रोफाइल केतन अग्रवाल मर्डर केस में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। बुधवार को पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या से पहले केतन की मंगेतर सिया ने उसका मोबाइल फोन कुछ समय के लिए ले लिया था। हालांकि बाद में सिया ने केतन के एक रिश्तेदार को उसका मोबाइल सौंपा दिया था। अब पुलिस इस तफ्तीश में जुटी है कि क्या सिया ने केतन के मोबाइल से कोई सुराग मिटाए थे?

परिवार को सिया ने सौंपा था फोन– पुणे पुलिस ने पुष्टि की है कि केतन की हत्या के बाद कुछ समय तक उसका फोन सिया के पास था, लेकिन यह साफ नहीं है कि फोन के साथ कोई छेड़छाड़ की गई थी या नहीं। न्यूज एजेंसी के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने कहा, बाद में उसने केतन का मोबाइल उसके परिवार को सौंप दिया। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि जब फोन उसके पास था, तो क्या कोई अहम सबूत डिलीट किया गया या उसके साथ कोई छेड़छाड़ की गई। पुणे के लोहगढ़ किले में 26 साल के केतन अग्रवाल को कथित तौर पर सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने धक्का देकर मार

डाला। जांच जारी रहने तक सिया और चेतन दोनों 3 जुलाई तक पुलिस की हिरासत में हैं। सिया और केतन की सगाई फरवरी में हुई थी। दोनों की शादी इस साल नवंबर में होने वाली थी। परिवारों ने शादी में मेहमानों को ले जाने के लिए जयपुर में एक महल 17 करोड़ रुपये में बुक किया था। साथ ही दो प्राइवेट प्लेन का इंतजाम भी किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, केतन को सिया के अफेयर का शक था और उसने शादी पक्की करने से पहले अपने परिवार से सिया के बैकग्राउंड की जांच करने के लिए कहा था। केतन के पिता विशाल के अनुसार, उसने चेतन के साथ सिया की नजदीकियों को लेकर भी चिंता जताई थी।

एनडीए में बढ़ेगा कद 2 सांसद बन सकते हैं मंत्री

● अब दिल्ली में पावरफुल होंगे एकनाथ शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का कद अब दिल्ली में भी बढ़ने के आसार हैं। खबर है कि शिवसेना से 2 सांसद मंत्री बनने वाले हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है। ये अटकलें ऐसे समय पर लगाई जा रही हैं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाले कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी जोरों पर है। फिलहाल, इसकी तारीख और नाम स्पष्ट नहीं हैं। टीवी9 मराठी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा

जा रहा है कि श्रीकांत शिंदे और ओमराजे निम्बालकर मंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। खबरें ये भी हैं कि गुरुवार को शिंदे दिल्ली रवाना हो रहे हैं। हालांकि, इस पर डिप्टी सीएम ने अब तक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं, शिवसेना की तरफ से भी नामों का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की बढ़ी मुसीबत

गिरफ्तारी वारंट जारी, कोर्ट ने कहा- पुलिस उन्हें क्यों नहीं ढूंढ़ पा रही

ग्वालियर (एजेंसी)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया गया है। यह वारंट ग्वालियर की एमपी एमएलए कोर्ट की तरफ से जारी किया गया है। यह पूरा घटनाक्रम साल 2024 के लोकसभा चुनाव से जुड़ा हुआ है। साथ ही कोर्ट ने पुलिस को भी फटकार लगाई है।

2024 लोकसभा चुनाव से जुड़ा है मामला

दरअसल, 2024 के लोकसभा चुनाव में जीतू पटवारी भिंड जिले में पहुंचे थे। यहां उमरी इलाके में उन्होंने सार्वजनिक तौर पर यह बात कही थी कि बीएसपी के प्रत्याशी देवाशीष जरारिया बीजेपी के साथ मिलकर चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं। यह बयान सामने आने के बाद देवाशीष जरारिया के चुनावी प्रतिनिधि अशोक गुप्ता ने इस बात की शिकायत उमरी थाने में दर्ज कराई थी।

43 टांके, ब्रेन, हार्ट, लंग्स किडनी, लिवर, सब गायब

वेनेजुएला में भारतीय नाविक की मौत का रहस्य गहराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस भारतीय नाविक राकेश चौहान का पार्थिव शरीर वेनेजुएवा से भारत लाया गया, उसके सारे प्रमुख अंग गायब होने के आरोप लगे हैं। परिवार वालों ने दोबारा ऑटोप्सी की मांग की है। परिवार वालों की शिकायत के बाद फेडरेशन ऑफ सीफेयर्स ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने इस मौत की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत जांच और परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है। 33 वर्षीय राकेश चौहान उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। उनकी वेनेजुएला में कथित तौर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। लेकिन, जब उनका शव भारत आया तो इस मौत का रहस्य और गहरा गया।

परिवार ने दोबारा ऑटोप्सी की मांग की– फेडरेशन ऑफ सीफेयर्स ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में लिखा है चौंकाने वाला मामला है कि भारतीय नाविक राकेश चौहान के शव को वेनेजुएला की सरकार ने बिना ऑटोप्सी रिपोर्ट के यूपी में उनके गृह नगर भेज दिया।

राजस्थान में बस-ट्रेलर भिड़े, 8 लोगों की मौत

डीएन टेस्ट से पहचान होगी आग में फंसे थे 40 पैसेंजर्स

दौसा (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात बस–ट्रेलर की भिड़ंत हो गई। एक्सीडेंट में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें 6 लोगों की मौत आग में झुलसने से और 2 की सिर पर चोट लगने के कारण हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एक्सीडेंट कोलवा थाना क्षेत्र में हुआ है। बस ऋषिकेश से इंदौर जा रही थी स्लीपर में मध्य प्रदेश के अलग–अलग जिलों के 40 पैसेंजर्स थे। इनमें 21 लोग घायल भी हैं। 6 मृतकों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। इसके बाद बॉडी परिवार को सौंपी जाएगी। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का दावा है बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट भरी हुई थी।

जैन मुनि को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता

● ईरान ने लिखा-आपका आना आपसी सम्मान का प्रतीक

तेहरान (एजेंसी)। जैन संत और अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य लोकेश मुनि को ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण मिला है। यह कार्यक्रम 4 और 5 जुलाई को तेहरान में होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता के कार्यालय की ओर से भेजे गए निमंत्रण पत्र में कहा गया है कि भारत और ईरान के ऐतिहासिक रिश्तों को देखते हुए आचार्य लोकेश मुनि की मौजूदगी दोनों देशों के बीच गहरे सम्मान और मित्रता का प्रतीक होगी। ईरानी मीडिया के मुताबिक, अंतिम संस्कार में 1.2 करोड़ से 2 करोड़ लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इसी वजह से पूरे तेहरान में सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित रहेगी। भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैय्यद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा भी अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

समुद्री निगरानी करने वाली कंपनी केप्लर के आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को होर्मुज से कुल 40 जहाज गुजरे। इनमें से 16 जहाजों ने ईरान के समुद्री मार्ग का इस्तेमाल किया। ईरान चाहता है कि विदेशों में फंसी उसकी करीब 6 अरब डॉलर (करीब 57 हजार करोड़ रुपए) की संपत्ति पहले जारी की जाए। इसके बाद ही वह शांति समझौते के अगले चरण पर आगे बढ़ेगा। अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) ईरान के सुप्रीम लीडर की मंजूरी से हुआ है।

भारतीय सेना बना रही है स्पेशल 'बाज बटालियन'

● ड्रोन युद्ध और हवाई निगरानी के लिए बड़ी तैयारी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना खुद को हर क्षेत्र में मजबूत कर रही है। अब ड्रोन क्षेत्र में मजबूत होने की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसके तहत भारत विशेष बाज बटालियन बना रहा है।

भारतीय सेना अपनी निगरानी क्षमता और ड्रोन युद्ध की तैयारियों को और मजबूत करने के लिए विशेष बाज बटालियन बना रही है। ये बटालियन फ्रंटलाइन यूनिट्स को उन्नत हवाई निगरानी, सिचुएशनल अवेयरनेस और ड्रोन संचालन की सुविधा प्रदान करेंगी। सेना के सूत्रों ने बताया कि 'बाज बटालियन' सीमा

निगरानी, ड्रोन युद्ध की तैयारी, संवेदनशील इलाकों में ऑपरेशनल तैयारियों और फ्रंटलाइन यूनिट्स व इंटेलीजेंस सिस्टम के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करेंगी। 'बाज बटालियन' का गठन भारतीय सेना को और अधिक तकनीक-सक्षम और भविष्य-उन्मुख बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। मुख्य सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सोमवार को कहा कि ये बटालियन मौजूदा रिमोटली पाइलटेड एयरक्राफ्ट (आरपीए) फ्लाइट्स पर आधारित होंगी।

ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए की पहल

सूत्रों के अनुसार, इन बटालियनों में विशेष प्रशिक्षित जवानों का पूल होगा, जो आरपीए सिस्टम को ऑपरेट और मैनेज करेंगे। इसका उद्देश्य खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही (आईएसआर) क्षमताओं को बढ़ाना है, ताकि युद्धक्षेत्र में निरंतर नजर रखी जा सके और तेज प्रतिक्रिया दी जा सके। ये बटालियन संभवत: आर्मी एविएशन कोर के अंतर्गत काम करेंगी। सेना ने हाल के संघर्षों रूस–यूक्रेन युद्ध, चीन के साथ एलएसी पर तनाव और पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर से सबक लेते हुए यह पहल की है। इनमें ड्रोन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण साबित हुई थी। जनरल द्विवेदी ने हाल ही में कहा था कि दो साल पहले भारतीय सेना के पास मात्र कुछ सौ ड्रोन थे, जो अब बढ़कर 50,000 से ज्यादा हो चुके हैं। आने वाले 2–3 वर्षों में यह संख्या और दोगुनी हो सकती है।

दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल को मंजूरी

● मोदी कैबिनेट ने दूर की बाधा, 6970 करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने आज दो अहम हाइवे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। इनमें दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल परियोजना शामिल है। साथ ही कानपुर-भोपाल के बीच कनेक्टिविटी सुधारने के लिए भी एक योजना को मंजूरी दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इन प्रस्तावों को मजूरी दी गई। दिल्ली में द्वारका टनल पर 6970 करोड़ रुपये खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट ने एनएच-148 एई से द्वारका एक्सप्रेस को जोड़ने के लिए 6 लेन की टन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी कुल लंबाई 8.1 किमी होगी और इस पर 6969.67 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसे हाइब्रिड एन्युटी मोड पर बनाया जाएगा।

यह प्रोजेक्ट अर्बन एक्सटेंशन रोड 2/द्वारका एक्सप्रेसवे को दक्षिण दिल्ली के वसंत कुंज से जोड़कर पश्चिम और दक्षिण दिल्ली के बीच तेज कनेक्टिविटी देगा। इससे गुरुग्राम, द्वारका, एयरपोर्ट और पश्चिम दिल्ली से दक्षिण दिल्ली की ओर जाने वाले ट्रैफिक को भी फायदा होगा।

कानपुर-भोपाल हाइवे प्रोजेक्ट

कैबिनेट ने साथ ही उत्तर प्रदेश में एनएच–34 के कानपुर–कबराई सेक्शन को बीओटी (टोल) मोड पर 4/6 लेन वाले एक्सेस–कंट्रोल्ड हाईवे के तौर पर बनाने की मंजूरी दी है। इसकी कुल लागत 7145.14 करोड़ रुपये होगी। यह प्रोजेक्ट कानपुर और कबराई के बीच तेज रफ्तार कनेक्टिविटी देगा। साथ ही, यह सागर, भोपाल और मध्य प्रदेश के दूसरे इलाकों के लिए आगे की कनेक्टिविटी को भी मजबूत करेगा। इससे एक आधुनिक, एक्सेस–कंट्रोल्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर बनेगा जो उत्तर प्रदेश के इंडस्ट्रियल और कमर्शियल सेंटर्स को मध्य प्रदेश के मिनरल–रिच, मैन्युफैक्चरिंग और एग्रीकल्चरल इलाकों से जोड़ेगा और स्थिति में सुधार लाएगा।

● जम्मू-कश्मीर में बादल फटा

अरुणाचल में बाढ़

नार्थ-ईस्ट में भारी बारिश से बन गए तबाही के हालात

एमपी और बिहार में बिजली गिरने से 8 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को डोडा में बुधवार सुबह 2 बार बादल फटा। भलेसा के कलालगीसर इलाके में

बादल फटने से बाढ़ आ गई। ढेर सारा मलबा पहाड़ी से बहकर सड़क पर आ गया। इससे रास्ते ब्लॉक हो गए। वहीं, अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और लैंडस्लाइड का कहर है। अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। अंजॉ जिले के सारती गांव में लैंडस्लाइड में एक व्यक्ति की मौत हुई। इससे पहले कीयी पन्योर में बाढ़ में 3 लोग बह गए थे। अधिकारियों के मुताबिक 2 लोग लापता हैं। 28 जिलों के 90 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इधर, मध्य प्रदेश के हरदा-खरगोन में बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि बैतूल में एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए। वहीं, चंपा नदी के उफान में बाइक समेत दो युवक बह गए।

बिहार में भी बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई। यूपी के सोनभद्र में मंगलवार शाम 4 बजे पिकनिक मनाने गए 3 लोग बरसाती नाले के तेज बहाव में बह गए। एक ही मौत हुई।

आर्मेनिया को मिली ब्रह्मोस, डरा पाकिस्तान का दोस्त

● भारत आर्मेनिया रक्षा समझौतों की अजरबैजान ने की आलोचना ● पाकिस्तान के दोस्त को अभी से सताने लगा है ब्रह्मोस का डर

बाकू/नई दिल्ली (एजेंसी)। अजरबैजान ने आर्मेनिया के साथ भारत के साथ मजबूत होते रक्षा संबंध को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। अजरबैजान को डर है कि भारत आर्मेनिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर जैसे एडवांस्ड हथियार दे सकता है जिससे वो डर गया है। इसीलिए अजरबैजान ने भारत के सामने इन संभावित रक्षा सौदों की कड़ी आलोचना की है। अजरबैजान के अधिकारियों और सरकारी मीडिया ने नई दिल्ली के इस कदम को दक्षिण काकेशस में अस्थिरता पैदा करने वाली 'युद्ध भड़काने' की कार्रवाई बताया है। ये वही अजरबैजान है जो लगातार भारत के खिलाफ पाकिस्तान का साथ देता आया है। वो कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का खुलकर समर्थन करता है और पिछले साल मई संघर्ष के दौरान भी अजरबैजान ने पाकिस्तान का साथ दिया था। इसके बाद अजरबैजान को उसी की भाषा में जवाब देने के लिए भारत ने आर्मेनिया के साथ तेजी से रक्षा संबंध बनाए हैं। 2020 और 2023 के नागोर्नो-काराबाख संघर्षों के बाद भारत और आर्मेनिया के बीच सैन्य संबंध काफी बढ़ गये हैं।

● **पिनाका और ब्रह्मोस से इतना डर क्यों रहा है–** आर्मेनिया ने पिछले कुछ वर्षों में भारत के साथ लगभग 2 अरब डॉलर के रक्षा अनुबंध किए हैं। इन समझौतों में कई तरह के एडवांस्ड सिस्टम शामिल हैं जैसे स्वाति वेपन–लोकेटिंग रडार, आकाश सरफेस–टू–एयर मिसाइल सिस्टम, एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम और बहुत ज्यादा पसंद किया जाने वाला पिनाका पिनाका सिस्टम को खास तौर पर इसकी शूट–एंड–स्कूट यानि दागो और भागो क्षमता के लिए पसंद किया जाता है।

आर्मेनिया की सेना ने भारत में बने इन हथियारों को तेजी से अपनी सेना में शामिल किया है।

आर्मेनिया ने हाल ही में सैन्य परेडों में इन सिस्टम्स का प्रदर्शन किया और उन्हें स्थानीय सांस्कृतिक नाम दिए। जैसे पिनाका का नाम बदलकर शांत रख दिया जिसका मतलब बिजली होता है। वहीं आकाश सिस्टम का नाम लुसान रखा गया है। आर्मेनिया अब लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता बनाने के लिए शक्तिशाली ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलें खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहा है। क्योंकि अजरबैजान पाकिस्तान से खरीदे गए एमआई–17 थंडर जेट जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ अपनी वायु सेना को आधुनिक बना रहा है।

● **अजरबैजान के राजनयिकों ने भारत के सामने दर्ज कराया विरोध–** अजरबैजान के अधिकारियों ने जिनमें संसद सदस्य और राष्ट्रपति के सहयोगी शामिल हैं उन्होंने भारतीय राजनयिकों के सामने औपचारिक विरोध दर्ज कराया है और दावा किया है कि हथियारों की ये खेप उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। जब भी आर्मेनिया में भारतीय हार्डवेयर तैनात या प्रदर्शित किया जाता है तो यह राजनयिक विरोध बढ़ जाता है। इससे बाकू में कुछ लोग भारत के रणनीतिक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए अजरबैजान, पाकिस्तान और तुर्की के बीच और भी मजबूत सैन्य गठबंधन की वकालत करने लगते हैं।

एक नजर

उदयपुर—ऋषिकेश स्पेशल ट्रेन की संचालन अवधि में विस्तार

ऋषिकेश। रेलवे की ओर से योगनगरी से उदयपुर, उदयपुर से योगनगरी के मध्य संचालित होने वाली गाड़ियों के फेरों में विस्तार किया गया है। अब गाड़ियां 29 जुलाई तक संचालित होती रहेंगी। रेलवे की ओर से योगनगरी से उदयपुर, उदयपुर से योगनगरी के मध्य स्पेशल ट्रेनों (09609/09610) का संचालन होता है। इन स्पेशल गाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार किया गया है। यह गाड़ी योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन से प्रत्येक बुधवार को 17:55 बजे रवाना होती है। जबकि उदयपुर से मंगलवार को चलकर योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पर बुधवार की सुबह 10:25 बजे पहुंचती है। रेलवे की ओर से यात्रियों की भीड़ को देखते हुए ट्रेनों के संचालन में विस्तार किया गया है। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि गाड़ी संख्या 09610 (योगनगरी ऋषिकेश से उदयपुर सिटी) साप्ताहिक संचालन 08 जुलाई, 15 जुलाई, 22 जुलाई, 29 जुलाई तक संचालन होगा। जबकि 09609 (उदयपुर सिटी से योगनगरी ऋषिकेश) का 07 जुलाई, 14 जुलाई, 21 जुलाई, 28 जुलाई तक संचालन किया जाएगा।

झमाझम बारिश में पर्यटकों के खिले चेहरे

ऋषिकेश। बुधवार को हुई झमाझम बारिश से तीर्थनगरी का मौसम सुहावना हो गया। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप से लोगों के साथ—साथ बाहरी राज्यों से आए पर्यटकों को भी बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद गंगा तटों पर प्राकृतिक सौंदर्य का पर्यटकों ने जमकर लुत्फ उठाया। दिनभर रुक—रुक कर हुई बारिश के बीच पर्यटक रेनकोट पहनकर गंगा तट, जानकी सेतु, रामझूला, बैराज सेतु, काली घाट और साधु समाज घाट पर घूमते नजर आए। कई पर्यटक गंगा से उठती धुंध और बारिश के दृश्यों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद करते दिखाई दिए। स्वर्गाश्रम क्षेत्र में भी दिनभर पर्यटकों की अच्छी—खासी भीड़ रही। सुहावने मौसम के चलते घाटों और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर रौनक बनी रही। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि मौसम में आए बदलाव से पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिला है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

खड़ी कार में दूसरी कार ने टक्कर मारी, चार घायल

जौलीग्रांट। भानियावाला—ऋषिकेश हाईवे पर एनटीआरओ के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार को रानीपोखरी की तरफ से आ रही दूसरी कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे टक्कर मारने वाली कार में सवार कुल चार लोग घायल हो गए।

घायलों को चौकी पुलिस द्वारा जौलीग्रांट अस्पताल पहुंचाया गया। दो लोगों को मामूली चोटें और दो को कुछ अधिक चोटें आई हैं। हालांकि सभी खतरे से बाहर बताए गए हैं। सुबह करीब 11 बजे एनटीआरओ के सामने सड़क किनारे एक कार चालक अपनी कार खड़ी कर एक टेंपो ट्रैवलर को स्टैपनी खोलने में मदद कर रहा था। उस वक्त खड़ी कार में कोई भी सवार नहीं था। तभी रानीपोखरी की तरफ से आ रही कार द्वारा खड़ी कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी गई। जिससे टक्कर मारने वाली कार में सवार कुल चार लोग घायल हो गए।

दोनों कार सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। सूचना पाकर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। टक्कर मारने वाली कार में सवार विवेक नेगी पुत्र विजय सिंह नेगी निवासी नागाघेर, रानीपोखरी को हल्की खरोंच आई। शिवम पांडे पुत्र हरि नारायण पांडे ग्राम व पो मलाऊं गोरखपुर को हल्की चोटें आई हैं। शुभम सिल्सवाल पुत्र राजेंद्र प्रसाद सिल्सवाल निवासी मौजा रानीपोखरी के हाथ में चोट आई है। वहीं नवीन कुमाई पुत्र बेसक कुमाई निवासी रानीपोखरी चौक के सिर और पैर में चोटें आई हैं।

गार्ड की मनमानी से मरीजों को हुई परेशानी

ऋषिकेश। राजकीय उपजिला चिकित्सालय में बुधवार को एक सेवानिवृत्त हो रहे पैरामेडिकल कर्मचारी के विदाई समारोह ने मरीजों की परेशानी बढ़ा दी। समारोह की तैयारियों के बीच अस्पताल में तैनात एक गार्ड ने सुबह करीब 11:30 बजे ही अस्पताल का मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिया, जिससे इलाज के लिए पहुंचे कई मरीज और उनके तीमारदार असमंजस में पड़ गए। मुख्य गेट बंद देखकर कई लोग अस्पताल बंद होने का अंदेशा जताते हुए वापस लौट गए, जबकि कुछ मरीज पीछे के प्रवेश द्वार से किसी तरह अंदर पहुंच सके। अस्पताल के भूतल पर विदाई समारोह के लिए मंच और कुर्सियां लगाई गई थीं। बताया जा रहा है कि मरीजों और तीमारदारों द्वारा कुर्सियां इधर—उधर न किए जाने के उद्देश्य से गार्ड ने अपनी ओर से मुख्य गेट बंद कर दिया। हालांकि इस निर्णय की जानकारी गार्ड ने न तो अस्पताल प्रशासन को दी और न ही चिकित्सकों को।

उधर ओपीडी में चिकित्सक मरीजों का इंतजार करते रहे। बारिश के कारण मरीज कम आने की संभावना मानकर डॉक्टर सामान्य रूप से अपनी ड्यूटी करते रहे। बाद में पता चला कि बड़ी संख्या में मरीज मुख्य गेट बंद मिलने के कारण लौट गए थे और कई लोग अस्पताल परिसर में प्रवेश ही नहीं कर सके।

छत का पानी सड़क पर आया तो होगी कार्रवाई

कर्णप्रयाग। नगर में छतों का पानी सीधे सड़कों पर गिराने पर अब पालिका कार्रवाई करेगी। इसके लिए बुधवार को एनाउंसमेंट कर लोगों को डाउन पाइप लगाकर पानी को नालियों में डालने की बात कही है। हालांकि कई लोगों ने बरसात से पहले नालियों की सफाई करने की मांग भी की। नगर के बाजारों से बदरीनाथ, नैनीताल हाईवे सहित लोनिवि की लिंक सड़कें भी गुजरती हैं। बाजार में बनी दुकानों और मकानों की छतों पर एकत्र होने वाला बारिश का पानी सीधे सड़कों पर आता है। ऐसे में पालिका ने एनाउंसमेंट करते हुए सभी लोगों को डाउन पाइप लगाकर छतों के पानी को नालियों में डालने की बात कही। वहीं लोगों ने पेट्रोल पंप से लेकर लोनिवि कार्यालय के प्रवेश द्वार सहित सुभाषनगर में बंद नालियों और स्कपर को खोलने की मांग भी की। सुभाषनगर निवासी अजय खंडूड़ी ने बताया कि नाली मलबे से पटी है। लखपत सगोई ने कहा कि अपर बाजार पैदल मार्ग की नालियां बदहाल हैं। वहीं पालिका के ईओ नरेंद्र सिंह ने कहा कि जल्द नालियों की सफाई करा ली जाएगी। डाउनपाइप नहीं लगाने पर भी कार्रवाई की जाएगी।

मदरसा बोर्ड समाप्त कर बना नया शिक्षा मॉडल : धामी

श्रेष्ठ उत्तराखण्ड के संकल्प को मजबूती देगा अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण

विभिन्न अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को प्रदान किए गए मान्यता प्रमाण पत्र

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को मान्यता प्रमाण पत्र भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत सभी अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों को समान अवसर प्रदान किए जाएंगे। पहले की व्यवस्थाओं में जिन वर्गों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया, उन्हें भी अब शिक्षा के क्षेत्र में बराबरी का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अल्पसंख्यक विद्यालयों के विद्यार्थियों को एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकें भी भेंट कीं और कहा कि गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा की दिशा में यह पहल विद्यार्थियों के भविष्य को मजबूत आधार प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि होने के साथ-साथ ज्ञान, शिक्षा और आध्यात्म की समृद्ध परंपरा वाली भूमि रही है। इस पवित्र धरती ने सदियों से विश्व को ज्ञान और संस्कार का संदेश दिया है। ऐसे में राज्य की जिम्मेदारी है कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्तराखण्ड देश के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में स्थापित हो। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य के साथ राज्य सरकार ने समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 1 जुलाई 2026 से उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण की स्थापना की है। इसके साथ ही मदरसा बोर्ड को समाप्त कर नई व्यवस्था लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक संस्था की शुरुआत नहीं, बल्कि राज्य के प्रत्येक बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने वाला निर्णय है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक बच्चे को समान अवसर मिले और वह आधुनिक शिक्षा, तकनीक एवं कौशल के माध्यम से आगे बढ़ सके। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण की स्थापना किसी समुदाय की पहचान या परंपराओं को प्रभावित करने के लिए नहीं, बल्कि सभी वर्गों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। सरकार का प्रयास है कि बच्चे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए विज्ञान, गणित, कंप्यूटर, कौशल विकास और आधुनिक शिक्षा में दक्ष बनें। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण केवल मान्यता देने वाली संस्था नहीं होगा, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, पारदर्शी व्यवस्था और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन का मजबूत माध्यम बनेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, प्रदीप बत्रा, विधायक उमेश शर्मा काउ, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते, उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के धर्मगुरु, शिक्षाविद एवं शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधक उपस्थित रहे।

होमगार्ड के 31 पदों के लिए 1610 आवेदन आए

गोपेश्वर। चमोली जिले में होमगार्ड्स के 31 पदों पर भर्ती के लिए 1610 युवाओं ने आवेदन किया है। जिला कमांडेंट होमगार्ड्स कार्यालय में आवेदनों की स्कूटनी की जा रही है। इसके बाद 10 जुलाई से भर्ती की अन्य प्रक्रियाएं शुरू की जाएंगी।

चमोली जिले में होमगार्ड्स के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 10 जून से 30 जून तक आवेदन किए गए। जिले में रिक्त कुल 31 होमगार्ड्स के पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। प्रभारी जिला कमांडेंट होमगार्ड्स दीपक कुमार भट्ट ने बताया कि अंतिम तिथि तक 1610 आवेदन प्राप्त किए गए। इन आवेदनों की नौ जुलाई तक स्कूटनी की जाएगी और जिन अभ्यर्थियों के आवेदन सही पाए जाएंगे उनकी भर्ती प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू होगी। इसमें शारीरिक नाप—जोख, शारीरिक दक्षता परीक्षा संपन्न कराई जाएगी।

बकरी के ऋण के विवाद में हुई थी राजेंद्र की हत्या

गैरसैंण। बीते 18 मई को लापता हुए देवपुरी निवासी राजेंद्र सिंह की मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। मामले में सामने आया कि बकरी लेने के लिए राजेंद्र ने ऋण लिया था लेकिन भुगतान आरोपी देवेंद्र के खाते में हुआ था जिससे विवाद हो गया था। करीब 45 दिनों तक चली जांच में पुलिस ने एसआईटी का गठन सहित तमाम वैज्ञानिक जांच कर एक हत्यारोपी को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। देवपुरी के राजेंद्र के लापता होने पर परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में की थी। 23 मई को राजेंद्र का शव संदिग्ध हालात में गांव के समीप गदेरे में मिलने पर यह मामला हत्या में परिवर्तित हो गया। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार के निर्देशन और सीओ त्रिवेंद्र सिंह राणा के पर्यवेक्षण में डॉग स्क्वायड, फॉरेंसिक जांच सहित कई वैज्ञानिक प्रक्रिया अपनाई गई लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिली। इस पर पुलिस ने एसआईटी गठित की। पुलिस के अनुसार एसआईटी व गैरसैंण पुलिस की सटीक जांच से ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया गया और आरोपी देवेंद्र सिंह निवासी चौड़ाधार, देवपुरी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। जांच में सामने आया कि हत्या बकरी के ऋण से उपजे विवाद से है। राजेंद्र ने बकरी के लिए ऋण लिया था जिसका भुगतान आरोपी देवेंद्र सिंह के खाते में हुआ। देवेंद्र ने यह धनराशि निकाली भी। यही नहीं आरोपी देवेंद्र ने 17 मई और 18 मई को राजेंद्र से फोन पर बात भी की। ऐसे कई अन्य मामले भी पुलिस की जांच में मिले हैं।

ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया स्थगित

गैरसैंण। राजेंद्र की मौत का खुलासा होने पर देवपुरी सहित खनसर क्षेत्र के ग्रामीणों ने बुधवार को प्रस्तावित प्रदर्शन स्थगित कर दिया। बुधवार सुबह खनसर क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि कोतवाली पहुंचे। मामले का खुलासा होने पर कोतवाली घेराव और प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया।

विकास और सुशासन के दम पर फिर सरकार बनाएगी भाजपा : भट्ट

नई टिहरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि राज्य में सुशासन कायम कर भ्रष्टाचार मुक्त सरकार जनहित के लिए निरंतर काम कर रही है। 2027 के चुनाव में विकास और सुशासन के बल पर प्रदेश की जनता भाजपा को तीसरी बार आशीर्वाद देगी। उन्होंने लामणीधार में बंद पड़े आयुष अस्पताल का निरीक्षण किया। कहा कि इस बारे में वह मुख्यमंत्री से वार्ता करेंगे। बुधवार प्रदेश अध्यक्ष भट्ट का चंबा, जाखणीधार व अंजनीसैण पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। अंजनीसैण में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने आयुष विभाग से सेवानिवृत्त हुए डॉ. धीरेंद्र कैंतुरा, मो.साबिर, मो.आसिफ, हसीब को भाजपा की सदस्यता दिलाई। आयुष विभाग में लंबे समय सेवा देने के डॉ. कैंतुरा समेत अन्य लोगों के शामिल होने से 2027 के चुनाव में पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी। भाजपा संगठन आधारित पार्टी है। कार्यकर्ता सरकार की उपलब्धियों को जन—जन के बीच ले जाकर जनता से आशीर्वाद मांगे।

मौसम विभाग ने दर्ज की 60 मिमी बारिश

जौलीग्रांट। बुधवार के दिन हुई भारी बरसात के कारण फसलों को काफी लाभ मिला। वहीं बारिश के कारण तापमान में भी करीब सात डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बारिश के कारण लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली।

जिससे दिन का तापमान सर्दियों के मौसम जैसा हो गया। दून एयरपोर्ट पर सुबह साढ़े आठ बजे के बाद से लेकर शाम साढ़े पांच बजे तक कुल 60 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई। जबकि अधिकतम तापमान 25.2 और न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि मंगलवार को अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री दर्ज किया गया था और रविवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री दर्ज हुआ था। बारिश से खरीफ की फसल की बुआई करने वाले और कर चुके किसानों को काफी लाभ मिलेगा।

डॉक्टर्स डे के अवसर पर प्रदेश के 37 प्रतिष्ठित डॉक्टरों को किया गया सम्मानित

देहरादून :नेशनल डॉक्टर्स डे के अवसर पर राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में आयोजित ''पांचवें डॉक्टर ऑफ़ द ईयर'' सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेगी। इन सेंटर्स के माध्यम से राज्य के चिकित्सकों को भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने अपने संबोधन में कहा कि 2026 के अंत तक सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सभी रिक्त पदों में नियुक्ति हो जाएगी। साथ ही पदोन्नति को भी शत प्रतिशत पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टर्स का एक अलग से काडर बनाया जाएगा। उन्होंने सभी चिकित्सकों को स्ट्रेस फ्री लाइफस्टाइल अपनाने की सलाह दी। उन्होंने सभी मेडिकल कॉलेज को योग और मेडिटेशन के माध्यम से चिकित्सकों एवं मेडिकल छात्रों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर देश और समाज की सेवा का आव्हान किया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री सुबोध ने पूरे प्रदेश से चयनित 32 उत्कृष्ट डॉक्टर को इस वर्ष का ''डॉक्टर ऑफ़ द ईयर'' अवार्ड प्रदान किया। तीन डॉक्टर्स को आउटस्टैंडिंग लीडरशिप अवॉर्ड तथा तीन डॉक्टर्स को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो (डॉ.) भानु दुग्गल ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य का इतना व्यवसायीकरण नहीं होना चाहिए कि समाज का एक तबका इसका लाभ ही ना ले सके। भारतीय चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ जे. एन. नौटियाल ने स्वस्थ जीवन एवं सफल इलाज में आयुष चिकित्सा के महत्व को रेखांकित किया। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. राजेंद्र डोभाल ने कहा कि उत्तराखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश के मेडिकल कॉलेजों में नए डॉक्टरों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर गीता जैन ने आज के दिन के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया की किस तरह से देश में राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस की शुरुआत हुई। इससे पूर्व अपने स्वागत संबोधन में कार्यक्रम के आयोजक एवं दिव्या हिमगिरि के संपादक कुंवर राज अस्थाना ने कार्यक्रम के विषय के बारे में बताया और इस वर्ष चयनित डॉक्टरों की प्रक्रिया और पूर्व के कार्यक्रमों के बारे में बताया।तथा धन्यवाद ज्ञापन एचएनबी उत्तराखंड मेडिकल एजुकेशन यूनिवर्सिटी के डीन एमके पंत ने दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने डॉ योगेश्वरी को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखंड चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो (डॉ.) भानु दुग्गल ने की। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में कपकोट के विधायक सुरेश गड़िया, उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण त्रिपाठी, स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ राजेंद्र डोभाल, दून मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉ गीता जैन, भारतीय चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष डॉ जे. एन. नौटियाल भी मंचासीन थे।

अपनी भूमि पर आवास निर्माण पर रोक के विरोध में प्रदर्शन

गोपेश्वर। ग्राम गोपेश्वर के मूल निवासियों ने अपनी निजी भूमि पर आवास निर्माण और पैतृक भवनों के पुनर्निर्माण पर जिला विकास प्राधिकरण की ओर से लगाई जा रही रोक के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण चमोली को ज्ञापन सौंपकर निर्माण कार्यों पर लगी रोक हटाने और मकानों पर लगाई गई सील हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि रुद्रनाथ—गोपीनाथ मंदिर के 300 मीटर दायरे में आवासीय भवनों के निर्माण पर रोक लगाई जा रही है जबकि स्थानीय परिवार पीढ़ियों से इस क्षेत्र में निवास करते आ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के लिए किए गए ऑनलाइन आवेदन लंबे समय से लंबित हैं जिससे भवन निर्माण की अनुमति मिलने में अनावश्यक विलंब हो रहा है। ग्रामीणों ने मूल गोपेश्वर गांव और मंदिर से जुड़े हक—हकूकधारी परिवारों के क्षेत्र को आवासीय जोन घोषित करने, स्थानीय निवासियों को अपनी निजी भूमि और जर्जर पैतृक भवनों के पुनर्निर्माण के लिए जटिल अनुमति प्रक्रिया से छूट देने की मांग की। इस मौके पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान, नगर पालिका के पूर्व सभासद नवल भट्ट, शांति प्रसाद भट्ट, पुष्पा नेगी, महेंद्र नेगी आदि मौजूद रहे।

महिला और बाल सुरक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के लिए टीम गौर गठित

नई टिहरी। महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने टीम गौरा का गठन कर नई पहल शुरू की है। महिला पुलिस की यह विशेष टीम महिलाओं और बाल अपराधों के प्रकरण में त्वरित, संवेदनशील, प्रभावी और विधि सम्मत पुलिस कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। पुलिस लाइन चंबा में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसएसपी श्वेता चौबे ने कहा कि टीम गौरा एक विशेष पुलिस टीम ही नहीं बल्कि जिले की प्रत्येक महिला और बच्चों के लिए संवेदनशील पुलिसिंग का सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि महिला बीट व्यवस्था और सक्रिय की जाएगी। यह टीम स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान और ग्राम स्तर पर जन जागरूकता अभियान भी चलाएगी।

दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

गोपेश्वर। नगर पंचायत नंदप्रयाग के वार्ड संख्या तीन सोनला में पेयजल लाइन चोरी और उसे उखाड़ने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर जलापूर्ति व्यवस्था बहाल करने तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि वर्ष 2000 में गांव के जल स्रोत से मुख्य बाजार, मिनी सचिवालय और आंगनबाड़ी केंद्र तक पेयजल आपूर्ति के लिए पाइप लाइन बिछाई गई थी। कुछ समय बाद लाइन चोरी हो गई जिसके बाद ग्रामीणों ने अपने संसाधनों से दोबारा पाइप लाइन बिछाकर पानी टैंक तक पहुंचाया। आरोप है कि अब कुछ लोगों ने फिर से पाइप लाइन उखाड़ दी है जिससे मुख्य बाजार, विद्यालय और आसपास के परिवारों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने स्रोत से पूर्व की भांति पानी का आवंटन सुनिश्चित करने और पेयजल लाइन चोरी और उखाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन पर विजय सिंह, पंकज सजवाण, सुनील सिंह, कमल सिंह, राहुल, अजय सिंह, प्रदीप सिंह, सतेंद्र, मुकेश सजवाण, राजेंद्र सजवाण सहित कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

थराली : गर्भवती की मौत पर यूकेडी और ग्रामीणों का प्रदर्शन

थराली। बीते सोमवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से रेफर की गई गर्भवती महिला की एंबुलेंस में मौत के मामले में बुधवार को उत्तराखंड क्रांति दल (यूकेडी) के कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह रावत को ज्ञापन सौंपकर अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने और पीड़ित परिवार को 10 लाख का मुआवजा दिए जाने की मांग की। प्रदर्शन के बाद अस्पताल में एक घंटे तक धरना भी दिया गया।

बुधवार को यूकेडी के कार्यकर्ता ग्रामीणों के साथ थराली—ग्वालदम—देवाल तिराहे से मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के विरोध में नारेबाजी करते हुए मुख्य बाजार, केदारबगड़ से तहसील मुख्यालय राड़ीबगड़ पहुंचे। इस दौरान राज्य आंदोलनकारी भूपाल सिंह गुसाईं ने कहा कि सरकार पहाड़ विरोधी है जिससे आज पहाड़ के हालात बदतर हो गए हैं। स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के बुरे हालात हैं। बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था मरीजों को ठीक करने के बजाए उनकी जान ले रही है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में व्यवस्था नहीं सुधरी तो फिर जनता सड़कों पर उतरेंगे। इस मौके पर पृथ्वी सिंह, पूजा शर्मा, हेमा गड़िया,जयंती, सोनी बोरा, दर्शन सिंह, सुरेंद्र सिंह गड़िया, किशोर रावत,गजेंद्र सिंह, पंकज सिंह आदि मौजूद थे।

कांग्रेस ने तीन घंटे तक दिया धरना, जांच की मांग

थराली। गर्भवती सरिता देवी की मौत के मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तीन घंटे तक धरना दिया। उन्होंने जांच और लापरवाह डॉक्टरों पर कार्रवाई की मांग की। पूर्व विधायक डॉ. जीतराम, ब्लॉक प्रमुख प्रवीण पुरोहित और नगर पंचायत अध्यक्ष सुनीता रावत के नेतृत्व में धरना दिया गया।

डीएम ने स्थगित की चारागाह भूमि नीलामी,

कंडीसौड़ (टिहरी)। थौलधार ब्लॉक के बौर और राम गांव की चारागाह की करीब 79 नाली भूमि नीलामी की प्रक्रिया को जिला प्रशासन ने स्थगित कर दिया। मामले में डीएम ने एसडीएम टिहरी की अध्यक्षता में कमेटी गठित करते हुए जांच के निर्देश दिए हैं जिससे छह जुलाई को खुलने वाले निविदा फिलहाल स्थगित हो गई है। चारागाह भूमि की नीलामी निरस्त करने की मांग को लेकर स्थानीय लोग बुधवार को 9वें दिन भी धरने पर डटे रहे। उनका कहना है कि जब तक लिखित आश्वासन, धरना स्थल पर सक्षम अधिकारी नहीं आते उनका आंदोलन जारी रहेगा। जिला प्रशासन की ओर से बीते 11 जून को बौर और राम गांव की 79 नाली चारागाह जमीन की नीलामी का टेंडर जारी किया गया था।

एक नजर

बारिश ने दिलाई गर्मी से राहत, पूरे दिन छाए रहे बादल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कई दिनों से भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बुधवार को हुई बारिश ने बड़ी राहत दी। सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे और रूक-रूककर हल्की से मध्यम बारिश होती रही। मौसम सुहावना होने से लोगों ने घरों से बाहर निकलकर बारिश का आनंद लिया।

पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ते तापमान और तेज धूप के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा था। दो दिन पहले हुई हल्की बारिश से उमस बढ़ गई थी, लेकिन बुधवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और अच्छी बारिश शुरू हो गई। सुबह करीब दस बजे से दोपहर तक बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई। बारिश का सबसे अधिक फायदा किसानों को मिलने की उम्मीद है। लगातार गर्मी के कारण कई फसलें प्रभावित हो रही थीं और खेतों में नमी की कमी बनी हुई थी। ऐसे में यह बारिश फसलों के लिए राहत लेकर आई है। वहीं, स्कूली बच्चों ने भी बारिश का भरपूर आनंद लिया और मौसम के बदलते मिजाज का लुत्फ उठाया।

पटरी पर नहीं लौट रही शहर में पेयजल आपूर्ति

श्रीनगर गढ़वाल : शहर में पेयजल आपूर्ति पटरी पर नहीं लौट पा रही है। पिछले कई दिनों से अनियमित जलापूर्ति बनी हुई है। कहीं एक समय ही पानी मिल रहा है तो कहीं केवल 10 से 15 मिनट तक ही सप्लाई हो रही है। इससे घरों की पानी की टंकियां भी नहीं भर पा रही हैं और लोगों की रोजमर्रा की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। शहर के बाह्मण मोहल्ला, एजेंसी मोहल्ला, नर्सरी रोड सहित कई क्षेत्रों में लोग नियमित पानी की मांग कर रहे हैं। स्थानीय निवासी दिनेश और ममता ने बताया कि पहले सुबह और शाम दोनों समय पानी मिलता था, लेकिन अब कई जगह केवल एक समय ही पानी आ रहा है। रचना ने बताया कि सुबह बच्चों को स्कूल भेजने से पहले खाना और नाश्ता तैयार करना होता है, लेकिन समय पर पानी नहीं मिलने से सभी काम प्रभावित हो जाते हैं। घर की पानी की टंकियां भी कई दिनों से पूरी नहीं भर पा रही हैं। एजेंसी मोहल्ला निवासी विजय रावल ने बताया कि पानी तो आ रहा है, लेकिन बहुत कम मात्रा में। इससे जरूरत के अनुसार पानी नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने जल संस्थान से नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने बताया कि जिन क्षेत्रों से पानी की कम आपूर्ति हो रही है वहां कर्मचारियों को भेजकर समस्या का समाधान कराया जाएगा। (एजेंसी)

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों व आपदा राहत कार्यों के लिए दी 8.61 करोड़ की स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा आपदा प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र देहरादून कैंट के अंतर्गत बंच केबिल से वंचित क्षेत्र में विद्युत विभाग द्वारा किये जा रहे बंच केबिल कार्य हेतु 4.92 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने जनपद उत्तरकाशी में तहसील भटवाड़ी के अंतर्गत ग्राम धराली, हर्षिल तथा तहसील डुण्डा, चिन्यालीसौड़, बड़कोट एवं मोरी क्षेत्र में आपदा से पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त 123 आवासीय भवनों के प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान करने के लिए 3.00 लाख प्रति भवन की दर से मुख्यमंत्री राहत कोष से कुल 3.69 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है, जिसका शासनादेश भी जारी किया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। प्रभावित परिवारों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराने के साथ ही प्रदेश में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

मोटर नगर बस अड्डा विवाद :

वाणिज्यिक अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देगा नगर निगम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मोटर नगर बस अड्डा परियोजना से जुड़े बहुचर्चित विवाद में वाणिज्यिक अदालत से राहत नहीं मिलने के बाद नगर निगम ने अब नैनीताल हाईकोर्ट का रूख करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में नगर निगम प्रशासन ने शासन को प्रस्ताव भेजा है। शासन से अनुमति मिलने के बाद हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की जाएगी। मेयर शैलेंद्र सिंह रावत और नगर आयुक्त पीएल शाह ने बताया कि नगर निगम ने 10 मई 2022 को दिए गए पंचाट (आर्बिट्रेशन अवॉर्ड) को चुनौती देते हुए अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (वाणिज्यिक) प्रितु शर्मा की अदालत में मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 की धारा-34 के तहत दो याचिकाएं दाखिल की थीं। हालांकि, अदालत ने 20 जून को दोनों याचिकाएं खारिज कर दीं। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि वाणिज्यिक अदालत के निर्णय के खिलाफ अब नैनीताल हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की जाएगी। इस संबंध में शहरी विकास निदेशालय के निदेशक से वार्ता हो चुकी है और निदेशालय द्वारा शासन को अनुमति के लिए पत्र भेजा जाएगा। शासन की स्वीकृति मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

कोटद्वार के मोटरनगर में प्रस्तावित भूमि

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रिखणीखाल थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। न्यायालय में पेशी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 29 जून को पीड़िता के परिजनों ने रिखणीखाल थाने में तहरीर देकर रथुवाढाब निवासी देवराज नेगी पर उनकी नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म का आरोप लगाया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़ित के बयान, उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपित देवराज नेगी को कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के शिवपुर से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

जोखिम भरे सफर करने को मजबूर ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड के कंडोलिया-तमलाग-ल्वाली-कालेश्वर मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति लगातार हादसों का कारण बन रही है। यह मार्ग वर्ष 2025 में आपदा के चलते लगभग 35 मीटर बह गया था। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार मोटर मार्ग की मरम्मत कराने की मांग की गई, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। जिस कारण ग्रामीण जोखिम भरे सफर करने को मजबूर है। ग्राम प्रधान धनाऊ कमल रावत ने बताया कि पटवारी चौकी के समीप छः अगस्त 2025 को आपदा के चलते करीब 35 मीटर सड़क बह गई थी। इसके बाद से मार्ग लगातार जोखिम भरा बना हुआ है। स्थानीय लोग समय-समय पर सड़क की मरम्मत और सुरक्षा कार्यों की मांग उठाते रहे, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि क्षेत्र पंचायत, प्रशासनिक बैठकों और अन्य माध्यमों से संबंधित विभाग को सड़क की खराब स्थिति से कई बार अवगत कराया गया। इसके अलावा सात जनवरी 2026 को आयोजित सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम एवं बहुउद्देशीय शिविर, न्याय पंचायत ल्वाली में भी लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। कमल रावत का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत, सुरक्षा दीवार, पैराफिट, क्रैश बैरियर और रेलिंग जैसे सुरक्षा कार्य किए गए होते तो दुर्घटनाओं को रोका जा सकता था।

चिकित्सकों का फेरबदल, बेस अस्पताल को मिले 12 नए चिकित्सक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार से छः चिकित्सकों के तबादले के बाद 12 नए चिकित्सकों की तैनाती की गई है। चिकित्सकों की तैनाती से स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार की उम्मीद है। स्थानीय जनता पिछले कई वर्षों से चिकित्सालय में चिकित्सकों की तैनाती की मांग उठा रहे थे। ऐसें में छः विशेषज्ञ चिकित्सकों के स्थानांतरण के बाद शासन ने अस्पताल में 12 नए चिकित्सकों की तैनाती की है। इनमें छः डॉक्टर आकस्मिक चिकित्सा (इमरजेंसी) सेवाओं को मजबूत करने की जिम्मेदारी संभालेंगे। दरअसल, बेस अस्पताल में कुल 59 चिकित्सकों के पद स्वीकृत है। जिसमें से कई पद संविदा व संबद्ध चिकित्सकों के भरोसे चल रहे थे। हाल ही में जारी स्थानांतरण सूची के तहत शल्य चिकित्सक डॉ. सतीश शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश कुमार सिंह, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. जयहिंद, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हरेंद्र कुमार और डॉ. कुसुमा तथा स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता नेगी का स्थानांतरण किया गया है। वहीं, अस्पताल में जिन नए चिकित्सकों की नियुक्ति हुई है, उनमें आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. विकास थलेड़ी और डॉ. खेमराज सोनी, फिजीशियन डॉ. रेशम यादव, शल्य चिकित्सक डॉ. कर्मवीर, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार झा तथा पैथोलॉजिस्ट डॉ. सुमित जोशी शामिल हैं। इसके अलावा चिकित्सा अधिकारी के रूप में डॉ. भावना राणा, डॉ. अंजलि सनवाल, डॉ. भगवती प्रसाद पुरोहित, डॉ. पवन पाल, डॉ. कुसुम पंकोली और डॉ. अमित कुमार चौहान को भी अस्पताल में तैनात किया गया है।

राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार

चेन स्नेचिंग गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे, लाखों की नगदी व कार बरामद

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार पुलिस ने सार्वजनिक वाहनों में महिलाओं से चेन स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह में पति, पत्नी, बहन समेत अन्य सदस्य शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो कारें और लाखों रुपये की नकदी बरामद की है, जबकि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार, 23 जून को भाबर निवासी सतेश्वरी देवी ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह उमरावनगर से सिम्मलचौड़ की ओर ऑटो में सफर कर रही थीं। रास्ते में दो महिलाएं भी ऑटो में सवार हुईं और बातचीत में उन्हें उलझाए रखा। सिम्मलचौड़ पहुंचकर जब वह ऑटो से उतरीं तो उनके गले से सोने की चेन गायब मिली। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और सर्विलांस की मदद से पता चला कि दोनों महिलाएं कुछ दूरी पर ऑटो से उतरकर एक कार में सवार होकर फरार हो गई थीं। जांच के आधार पर हरियाणा के फरीदाबाद निवासी विक्रम, उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी सतीश और हरियाणा के रेवाड़ी (धारूहेड़ा) निवासी ज्योति को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे सार्वजनिक वाहनों में महिलाओं को निशाना बनाते थे। बातचीत में उलझाकर दुपट्टे की आड़ में गले से चेन निकाल लेते और तुरंत साथ चल रही कार में रख देते थे, ताकि तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी का सामान बरामद न हो। पुलिस के अनुसार, कोटद्वार से चोरी की गई चेन को आरोपितों ने 1.10 लाख रुपये में बेच दिया था। यह राशि भी बरामद कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में सतीश की पत्नी शिल्पी अभी फरार है और उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार ज्योति, सतीश की बहन है। पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही है।

निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर 04 जुलाई से

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग के तत्वाधान में 04 से 06 जुलाई 2026 तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि में निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित होने वाले स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय रूद्रप्रयाग के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाएगी। उन्होंने जनमानस से उक्त स्वास्थ्य शिविर में प्रतिभाग कर लाभ उठाने की अपील की है।

दो करोड़ से बनेगी धारी देवी मंदिर की सुरक्षा दीवार

श्रीनगर गढ़वाल : कलियासौड़ मां धारी देवी मंदिर को भूस्खलन और नदी के जलस्तर से सुरक्षित रखने के लिए लगभग दो करोड़ रुपये की लागत से सुरक्षा दीवार (आरसीसी वॉल) का निर्माण कराया जाएगा। यह कार्य श्रद्धालुओं और दानदाताओं के सहयोग से किया जाएगा। मंदिर समिति पिछले एक साल से इस योजना की विभागीय कागजी प्रक्रियाओं को पूरा करने में जुटी थी, जिसे अब संबंधित विभागों से हरी झंडी मिल गई है। मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पांडे ने बताया कि मंदिर समिति लंबे समय से इस सुरक्षा दीवार के लिए प्रयासरत थी। हालांकि अब अनुमति मिलने के साथ ही मानसून ने दस्तक दे दी है, जिस कारण फिलहाल कार्य शुरू नहीं किया जा सकता। बरसात का मौसम खत्म होने के बाद आगामी अक्तूबर महीने से दीवार का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा जिसे मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। यह सुरक्षा दीवार 613 मीटर के लेवल पर बेहद मजबूती के साथ आरसीसी तकनीक से तैयार की जाएगी।

मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर फरासू क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्य से लोगों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। इस संबंध में फरासू नगर निगम वार्ड-2 के पार्षद विजय कुमार चमोली ने राष्ट्रीय राजमार्ग खंड के इंजीनियर धनंजय वर्मा को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था और ग्रामीणों की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग की गई। पार्षद विजय कुमार चमोली ने कहा कि एक जुलाई से स्कूल और कॉलेज खुल चुके हैं। ऐसे में दोपहर एक बजे से तीन बजे के बीच स्कूली बसों और विद्यार्थियों की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए इस अवधि में जाम न लगे इसके उपाय करने चाहिए। निर्माण कार्य के कारण क्षेत्र की पेयजल लाइन और सिंचाई नहर बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही है, जिससे ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने विभाग से इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। उन्होंने विभाग से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करने आदि की मांग की। (एजेंसी)

कार्यालय :- नगर निगम कण्वनगरी, कोटद्वार पौड़ी गढ़वाल

पत्रांक - 1540/कर0अनु0/यूनिपोल/होर्डिंग/2026-27 दिनांक - 01/07/2026

ई-टेण्डरिंग

नगर निगम कोटद्वार क्षेत्रान्तर्गत यूनिपोल / होर्डिंग के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने एवं पोलो पर लगने वाले कियोस्क (3.5 गुणा 2.5 फीट) विज्ञापन कार्य हेतु निम्नलिखित कार्य ई-निविदा (ऑनलाईन) टू-बिड सिस्टम के आधार पर इस प्रकार के निर्माण कार्य में दक्ष फर्म / कम्पनी दिनांक 16/07/2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना http://uktenders.gov.in में दिनांक 01/07/2026 से उपलब्ध रहेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता
1	नगर निगम कोटद्वार अन्तर्गत यूनिपोल / होर्डिंग के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करने एवं पोलो पर लगने वाले कियोस्क (3.5 गुणा 2.5 फीट) विज्ञापन कार्य।	रू0 100000.00	रू0 2500+ 18 प्रतिशत GST	दो वर्ष	45 दिन

नगर आयुक्त
नगर निगम कण्वनगरी, कोटद्वार

सुबैरो घाम-3 का ऐलान: बॉलीवुड के गायकों की आवाज, मिथुन चक्रवर्ती-रजा मुराद करेगें अभिनय

लैंसडौन, रिखणीखाल और नैनीडांडा के गांवों में होगी शूटिंग, नए कलाकारों और गायकों को मिलेगा मौका

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : उत्तराखंडी सिनेमा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने वाली सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशिका एवं बॉलीवुड अभिनेत्री उर्मि नेगी एक बार फिर अपनी बहुप्रतीक्षित गढ़वाली फिल्म सुबैरो घाम-3 को लेकर चर्चा में हैं। फ्योंली, सुबैरो घाम और ह्रसुबैरो घाम-2 (बथौं) की शानदार सफलता के बाद अब तीसरे भाग की तैयारियां तेज हो गई हैं।

फिल्म की शूटिंग लैंसडौन, रिखणीखाल और नैनीडांडा क्षेत्र के प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर गांवों में की जाएगी। फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती और रजा मुराद सहित कई चर्चित कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिससे फिल्म को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। उर्मि नेगी के निजी सहायक चन्द्रमोहन जदली ने बताया कि इस बार फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण यह होगा कि बॉलीवुड के शीर्ष पार्श्व गायक गढ़वाली गीतों को अपनी आवाज देंगे। हालांकि, फिलहाल गायकों के नाम गोपनीय रखे गए हैं।

गीतों की रिकॉर्डिंग देहरादून में होगी। उन्होंने बताया कि फिल्म के माध्यम से उत्तराखंड की नई प्रतिभाओं को भी बड़ा मंच मिलेगा। नए गायक-गायिकाओं और कलाकारों के चयन के लिए जुलाई के दूसरे सप्ताह में कोटद्वार और देहरादून में ऑडिशन आयोजित किए जाएंगे। चन्द्रमोहन जदली ने कहा कि उर्मि नेगी द्वारा निर्मित सुबैरो घाम और सुबैरो घाम-2 (बथौं) ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 40 से अधिक पुरस्कार जीतकर उत्तराखंडी सिनेमा का गौरव बढ़ाया है। दर्शकों की भारी मांग को देखते हुए सुबैरो घाम-2 (बथौं) के विशेष शो जुलाई से कोटद्वार में भी आयोजित किए जाएंगे। हालांकि, सीमित शो के बाद पूरी टीम सुबैरो घाम-3 के निर्माण में जुट जाएगी। गढ़वाली सिनेमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में सुबैरो घाम-3 को अब तक की सबसे भव्य और चर्चित उत्तराखंडी फिल्मों में से एक माना जा रहा है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	97-DRM-MB-26-27 Date - 29.06.2026	98-DRM-MB-26-27 Date - 29.06.2026	99-DRM-MB-26-27 Date - 29.06.2026	100-DRM-MB-26-27 Date - 29.06.2026	101-DRM-MB-26-27 Date - 29.06.2026
कार्य का नाम	Zone – HPU-1 : All residential and service buildings in between GMS-GZB (Excluding GZB) including wood, steel and road work under ADEN/HPU.	Zone – NBD : AWP to NBD (Km. 1407 to 1500) and NBD to KTW (Km. 00 to 24) for service building and residential building for general road and wood work under ADEN/NBD.	Zone – GJL-2 : Gajraula to Muzzampur (Excluding Gajraula and Muzzampur) All service buildings and residential buildings for road and wood work under ADEN/GJL.	Zone – GJL-1: All residential and service buildings in between GMS-MB (Excluding GMS and MB) including wood, steel and road work under ADEN/GJL.	Zone – HPU-2 : All residential and service buildings in between KRJ-MTC (Excluding MTC) including wood, steel and road work under ADEN/HPU.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	28.07.2026	28.07.2026	28.07.2026	28.07.2026	28.07.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 Hrs.	16:00 Hrs.	16:00 Hrs.	16:00 Hrs.	16:00 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	1,59,96,062.43	1,59,63,646.60	79,96,198.27	99,98,390.43	74,80,389.98
धरोहर राशि (रु.)	3,19,900.00	3,19,300.00	1,59,900.00	2,00,000.00	1,49,600.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह	12 माह	12 माह	12 माह	12 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	14.07.2026	14.07.2026	14.07.2026	14.07.2026	14.07.2026

टेन्डर नं. Sr. DEN-IV/Publication/26-27 दिनांक 30.06.2026 2248/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

चंदा-चढ़ावा कांड 'बेनतीजा'

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा के आकलन हैं कि राम मंदिर चंदा-चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपितों को पुनः 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपितों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे? पूछताछ नहीं होगी, तो कथित अपराधियों से बरामदगी कैसे होगी? अपराध के सुराग और नेटवर्क कैसे खुलेंगे? बरामदगी तभी महत्वपूर्ण और कानूनी है, जब आरोपित कबूल करें और खुलासा करें कि चोरी का धन, आभूषण आदि कहां रखे हैं? पैसे का कहां निवेश किया गया है? जब तक ये जानकारियां पुष्ट, सत्यापित नहीं होंगी, तब तक अपराध साबित नहीं किया जा सकता। ये दोनों शीर्ष पुलिस अधिकारी मानते हैं कि जो कार्रवाई ट्रस्ट ने की और करीब 80 लाख रुपए की बरामदगी विशेष जांच टीम से भी छिपाई और प्राथमिकी 20 दिन के बाद दर्ज कराई गई, इन सबके बीच इतने छिद्र हैं कि जांच किसी निष्कर्ष या नतीजे तक पहुंचने की उम्मीद क्षीण है। गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपित अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार किया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की ह्यगैर-कानूनीह्ल हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल हमारा भी यह मानना है कि पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपितों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपितों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चंदा-चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपित करार दिया गया है। क्यों..? आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपितों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपितों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? हमें तो राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला लगता है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं।

किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं।

जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

भारतीयता की मिसाल पेश करती सद्भावपूर्ण कारगुजारियां

निर्मल रानी

दुनिया में भारत की पहचान अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में बनी हुई है। विविधता ही हमारे देश की एक ऐसी सबसे बड़ी विशेषता है जो पूरे विश्व को भारत की ओर आकर्षित करती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारा देश विविधताओं से भरा हुआ है। अनेक तरह की भाषाएं,अलग अलग रंग, अलग खानपान, विभिन्न प्रकार की पोशाकें,अनेक किस्म के धर्म,जातियां,रीति रिवाज,मान्यताएं तथा विश्वास आदि हमारे देश को एक रंग बिरंगे खुशबूदार गुलदस्ते के रूप में दुनिया के सामने पेश करते हैं। परन्तु पिछले एक दशक में एक ऐसी साम्प्रदायिकतावादी विचारधारा ने सत्ता पर नियंत्रण हासिल कर लिया है जिसे शायद हमारे देश की यह विविधता व सर्वधर्म समभाव रास नहीं आता। यह विचारधारा पूरे देश को एक ही रंग में रंगना चाहती है। और अपने इस मकसद को पूरा करने के लिये यह शक्तियां पूरे देश में सांप्रदायिकता व जातिवाद का जहर घोलने के प्रयास हो रहे हैं। दुःख की बात तो यह है कि इन दुष्प्रयासों में लगे लोग इंसानियत को भी भूल चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के मध्य तो जैसे नफरती एजेंडे पर तेजी से अमल करने की प्रतिस्पर्धा लगी हुई है। उत्तर प्रदेश, आसाम, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बंगाल जैसे राज्यों में कौन मुख्यमंत्री कितनी मस्जिदें गिराता है कितनी दरगाहों व मदरसों पर बुलडोजर चलता है,कितने मुसलमानों के घर जमींदोज करता है, इसे लेकर इनमें गोया होड़ लगी हुई है। सैकड़ों मस्जिदों व मदरसों को धराशायी करने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में ही अभी पिछले ही दिनों संभल के नखासा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम-कसेरुआ में स्थित ऐतिहासिक मुस्तफा कादरी मस्जिद को प्रशासन द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। जबकि बताया जा रहा है कि यह मस्जिद उत्तर प्रदेश सरकार के सरकारी गजट में बाकायदा वक़्फ़ जायदाद के तौर पर दर्ज है। सवाल यह उठता है कि जो इबादतगाह राज्य सरकार के आधिकारिक रिकॉर्ड्स में दर्ज हो, उसे रातों-रात एक सोची-समझी साजिश के तहत अवैध कैसे घोषित किया जा सकता है? इस तरह की कार्रवाई सीधे तौर पर मस्जिद को ध्वस्त करने की एक गहरी राजनीतिक साजिश का हिस्सा है। साफ है कि भाजपा सरकार मुसलमानों को निशाना बनाते हुये दमनकारी, पक्षपातपूर्ण और अलोकतांत्रिक तरीके से अपनी बुलडोजर नीति लागू कर रही है। सत्ता संरक्षित व पोषित इस नफरत में कुछ लोग तो इतने अंधे हो गए हैं कि लंगर भंडारा लगाते समय किसी का धर्म पूछकर उस के हाथों से प्रशाद की थाली तक वापस छीने ले रहे हैं ? धर्म जाति देखकर सार्वजनिक प्याऊ से पानी पीने तक के लिये मना कर रहे हैं ? किसी दाढ़ी टोपी वाले को लंगर की थाली देकर उसके खाने से पहले जयश्रीराम बोलने का दबाव डाला जा रहा है ? परन्तु हकीकत में यह सब कुछ हो तो जरूर रहा है परन्तु इसके लिये सत्ता व संबंधित संगठनों को योजनाबद्ध तरीके से काफी मशक़्क़त करनी पड़ रही है। इसके लिये सत्ता का दुरूपयोग भी हो रहा है और लाखों निठल्ले बेरोजगार व अपराधी किस्म के लोग सत्ता का संरक्षण पाकर बेलगाम होकर धर्म व जाति विशेष के लोगों के साथ अमानवीय तरीकों से पेश आ रहे हैं। परन्तु जिस देश की रगों में राम रहीम कबीर रसखान जायसी नानक फरीद बुल्लेशाह चिश्ती औलिया जैसे महापुरुषों संतों व फकीरों के संस्कार सीख व शिक्षाएं प्रवाहित हो रही हों उस देश पर यह संगठित नफरती गिरोह लंबे समय तक अपनी एकरंगी नफरती विचारधारा हरगिज नहीं थोप सकते। उदाहरणार्थ पिछले दिनों भारत सहित पूरे विश्व में करबला के शहीदों के नाम पर मुहर्रम संबंधी आयोजन किये गये। जगह जगह ताजिये रखे गये। इस मौके पर पूरे देश में सैकड़ों जगह ऐसे दृश्य देखे गये जबकि हिन्दुओं ने ताजियादारी की और मुहर्रम मनाया। कुछ जगहें तो ऐसी भी थीं जहाँ एक भी मुसलमान नहीं रहते परन्तु दशकों से केवल हिन्दू समाज के लोग ही ताजिया व अलम उठाते व मुहर्रम मनाते आ रहे हैं। सैकड़ों जगहों पर हिन्दू व मुसलमान बिना किसी भेदभाव के लंगर बांटते व गरीबों की मदद करते दिखाई दिये। बिहार में तो मुहर्रम को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि लोक एवं साझा सामाजिक संस्कृति के रूप में मनाया जाता है। अनेक हिन्दू बाहुल्य इलाकों में ताजिया-जुलूस के साथ मजलिस, फातिहा पढ़ने और कर्बला की घटना को याद करने की परंपरा है। बिहार के संदर्भ में तो यह भी उल्लेखनीय है कि मुहर्रम की परंपरा को कई जगह ह्लवादा, वफा और विरासतह्ल के रूप में याद किया जाता है। यानी यह केवल शोक का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, परस्पर सम्मान और साझा इतिहास का प्रतीक बन चुका है। बिहार में ही मुहर्रम का एक खास ऐतिहासिक पक्ष यह भी है कि कई गांवों में हिंदू समुदाय पीढ़ियों से ताजिया, मातम और जुलूस की परंपरा निभाता आ रहा है। उदाहरण के तौर पर कटिहार के महमदिया हरिपुर गांव में पिछले सौ साल से अधिक समय से हिंदू लोग मुहर्रम मनाते आ रहे हैं, जिसे स्थानीय लोग पूर्वजों के वादे और गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत से जोड़ते हैं। इसी बीच राजस्थान में कई जगहों से साम्प्रदायिक एकता व सद्भाव की ऐसी मिसालें देखने को मिलीं जिसने यह साबित कर दिया कि सत्ता की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में हिन्दू मुस्लिम एकता व भाईचारे को दुनिया की कोई भी ताकत मिटा नहीं सकती।

खतरे की घंटी दस्तक दे रही है कितने तैयार है हम?

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के विनाशकारी दोहरे भूकंप ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस भीषण आपदा के कारण अब तक 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और करीब 68,900 लोग लापता हैं। राजधानी कराकस और तटीय राज्य ला गुआइरा में भारी तबाही हुई है।इस त्रासदी ने न केवल वेनेजुएला, बल्कि भारत सहित दुनिया के सभी देशों को आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे को लेकर कई महत्वपूर्ण सबक दिए है।

वेनेजुएला में भूकम्प ने पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों के आधिकारिक आंकड़े भले ही बदलते रहे हों, लेकिन त्रासदी की गंभीरता निर्विवाद है। हजारों परिवार असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे समय में संवेदना व्यक्त करने के साथ एक प्रश्न भी मन में उठता है कि क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और संवेदना के बाद सब कुछ भूल जाते हैं? यह हमें एक बार फिर याद दिलाता है कि प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं या पहाड़ दरकते हैं, तब विकास के बड़े-बड़े दावे भी कुछ ही पलों में बिखर जाते हैं। ऐसे समय में किसी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं बल्कि उसकी तैयारी होती है।

इस बार एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम लगता है लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ क्षण जीवन और मृत्यु के बीच काफी अंतर बना सकते हैं। स्पष्ट है कि विज्ञान इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे चेतावनी तंत्र को और अधिक सटीक, तेज और व्यापक बनाया जाए। आपको पता है कि हमारे देश में भी भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी प्राकृतिक आपदाओं का लंबा इतिहास रखता है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी तथा हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी लोगों की स्मृतियों में जीवित हैं। इन घटनाओं का एक ही संदेश है कि प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह नहीं बता सकते कि किस दिन और किस समय भूकम्प आएगा। लेकिन वे वर्षों से यह अवश्य बता रहे हैं कि भारत का बड़ा हिस्सा भूकम्पीय दृष्टि से संवेदनशील है। देश का लगभग 60 प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। इसका अर्थ यह है कि भविष्यवाणी भले संभव न हो, लेकिन पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है।

यहीं से एक और सवाल उभरता है। आज देश के लगभग हर शहर में कांक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन और ऊंचे टावर विकास की नई पहचान बन चुके हैं। लेकिन क्या हमने कभी गंभीरता से यह पूछा कि इन इमारतों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा के लिए भी? किसी भी भवन की असली परीक्षा उसके उद्घाटन के दिन नहीं होती। उसकी परीक्षा उस दिन होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके तो वही वास्तविक विकास है।

भारत में लगातार आ रहे छोटे भूकंपों का मुख्य कारण भारतीय टेक्टोनिक प्लेट का यूरेशियन प्लेट से टकराना और उत्तर की ओर खिसकना लगभग 49 मिलीमीटर प्रति वर्ष है। इसके कारण हिमालयी क्षेत्र और आसपास के इलाकों में जमीन के भीतर लगातार दबाव और तनाव बनता रहता है, जो छोटे-छोटे झटकों के रूप में समय-समय पर बाहर निकलता है।भारत में क्यों बढ़ रही है भूकंप की आवृत्ति? भारत जिस भू-भाग पर स्थित है, वह लगातार उत्तर दिशा की ओर यूरेशियन प्लेट से टकरा रहा है। यह प्रक्रिया हिमालय के निर्माण का कारण भी है और इसी के दबाव से जमीन के अंदर भ्रंश (फॉल्ट लाइन) सक्रिय रहते हैं।भारत की लगभग 59% भूमि भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है। इसमें पूरा पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और गुजरात का कच्छ इलाका जोन-५ सबसे खतरनाक में आता है।गहरे झटके और दूरगामी प्रभावः अक्सर उत्तर भारत जैसे दिल्ली-एनसीआर में महसूस होने वाले झटकों का केंद्र अफगानिस्तान (हिंदूकुश क्षेत्र) होता है। अधिक गहराई में होने के कारण ये झटके दूर तक महसूस होते हैं लेकिन तीव्रता कम होने से आमतौर पर बड़ा नुकसान नहीं होता।भू-वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की रायभूकंप विज्ञानियों का मानना है कि इस तरह के छोटे झटके एक तरह से राहत का संकेत भी होते हैं क्योंकि इनसे जमीन के भीतर जमा अत्यधिक दबाव धीरे-धीरे बाहर निकलता रहता है। हालांकि, देश की घनी आबादी वाले शहर (जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता) जहां निर्माण मानकों का ठीक से पालन नहीं होता, वहां इनकी वजह से बड़ा खतरा हमेशा बना रहता है।

भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं बल्कि उनके पालन की है। क्या हर बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुसार बन रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण पूरा होने के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन सवालों का जवाब पूरी तरह संतोषजनक नहीं है तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण की गुणवत्ता के साथ किसी भी स्तर पर किया गया समझौता या लापरवाही अंततः निर्दोष नागरिकों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। इसलिए सुरक्षा मानकों का पालन केवल कानूनी औपचारिकता नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है। दरअसल सबसे बड़ी जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर विकास न्यासों, नगर निगमों और भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की बनती है। किसी भी बहुमंजिला भवन को अनुमति देते समय केवल नक्शा और कागजी औपचारिकताएं पूरी कर लेना पर्याप्त नहीं होना चाहिए। अनुमति तभी मिले जब प्रत्येक सुरक्षा मानक का पूरी ईमानदारी से पालन हुआ हो। विकास के नाम पर सुरक्षा से किया गया हर समझौता भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकता है।एक और सोच बदलने की आवश्यकता है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि अमुक शहर में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया इसलिए वहां खतरा कम है। यह सोच खतरनाक हो सकती है। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी विज्ञान या इंसान सटीक नहीं जानता। जमीन के नीचे का शोर लावा या हलचल कब किस रूप में बाहर आएगा, इसका सटीक अनुमान किसी के पास नहीं है। इसलिए किसी क्षेत्र को केवल पुराने अनुभवों के आधार पर पूरी तरह सुरक्षित मान लेना एक बड़ी भूल हो सकती है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, भूस्खलन, तेज हवाएं और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी निर्माण और नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। आने वाले समय के शहर बहुस्तरीय सुरक्षा की सोच के साथ ही सुरक्षित रह पाएंगे। अब समय आ गया है कि किसी भी बहुमंजिला भवन को उसकी ऊंचाई देखकर नहीं बल्कि उसकी सुरक्षा परखकर अनुमति दी जाए।इतना ही नहीं, पहले से बनी इमारतों का समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण भी आवश्यक है। अस्पताल, विद्यालय, सरकारी भवन, पुल, फ्लाईओवर और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक परिसरों का नियमित संरचनात्मक परीक्षण होना चाहिए। जहां कमजोरी मिले वहां समय रहते सुधार किया जाए। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने से कहीं अधिक बुद्धिमानी पहले से सुरक्षा पर निवेश करने में है। साथ ही नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित अभ्यास हों। आधुनिक चेतावनी प्रणाली गांवों तक पहुंचे। लोगों को यह पता हो कि संकट की पहली घड़ी में क्या करना है और क्या नहीं करना है। जागरूक समाज ही किसी भी आपदा के प्रभाव को कम कर सकता है।

यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक सूचना तंत्र, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, ईमानदार प्रशासन और जागरूक नागरिकों का एक साथ काम करना आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती की परीक्षा लेती है। इसलिए अब समय आ गया है कि विकास की परिभाषा बदल दी जाए। विकसित भारत की पहचान सबसे ऊंची इमारतों से नहीं बल्कि सबसे सुरक्षित इमारतों, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन और सबसे सजग नागरिकों से होगी। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैयारी रखनी होगी।

पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहां के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है?

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है।

पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस दृढ़ता के साथ पाकिस्तान को उसकी असली जगह दिखानी शुरू की है, उससे इस्लामाबाद की सत्ता, सेना और वहां के कथित लोकतांत्रिक चेहरे बुरी तरह बौखला गए हैं। सिंधु जल संधि को स्थगित करने के भारत के फैसले ने पाकिस्तान की नसों में ऐसा डर भर दिया है कि वहां के नेता लगातार धमकियां दे रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रो रहे हैं और दुनिया को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत ने उनके अस्तित्व पर हमला कर दिया है।

देखा जाये तो दशकों तक भारतीयों का खून बहाने वाला पाकिस्तान अब पानी की कमी होने पर कांप रहा है और वहां के नेता गीदड़ भभकियां दे रहे हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि सिंधु पाकिस्तान की जीवनरेखा है और भारत पानी को हथियार बना रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान अपने पानी, अपनी संप्रभुता और अपने भविष्य की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसद्दिक मलिक ने तो यहां तक कह दिया कि जो हाथ उनके पानी को छुएंगे, उन्हें काट दिया जाएगा। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने भी भारत पर पानी रोकने का आरोप लगाते हुए आक्रामक बयान दिए। पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने दुनिया को डराने की कोशिश की कि यदि सिंधु जल संधि नहीं बची तो द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की पूरी विश्व व्यवस्था खतरे में पड़ जाएगी।

लेकिन पाकिस्तान के इन आंसुओं के पीछे छिपा सच पूरी दुनिया जानती है। पहलगाम में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या करने वाले आतंकवादी कहां से आए थे? जम्मू-कश्मीर में दशकों से आतंकवाद को कौन पालता रहा है? भारत के सैनिकों और नागरिकों का खून बहाने के लिए हथियार, प्रशिक्षण और धन कौन देता रहा है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिल्कुल सही कहा था कि खून और पानी साथ साथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करके यह स्पष्ट कर दिया कि अब नई दिल्ली पुरानी नीति पर नहीं चलेगी। यदि पाकिस्तान आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति बनाए रखेगा तो उसे हर मोर्चे पर कीमत चुकानी होगी। भारत ने पश्चिमी नदियों पर अपने अधिकार वाले जल के उपयोग को तेज करने का फैसला किया है। यह कोई युद्ध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रयोग है।

साथ ही सबसे बड़ा सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जो भारत में बैठकर पाकिस्तान से वार्ता की मांग कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि एक सौ से अधिक तथाकथित बुद्धिजीवियों, नेताओं और सामाजिक हस्तियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शाहबाज शरीफ को पत्र लिखकर बातचीत बहाल करने, वीजा सेवाएं शुरू करने, दूतावास सामान्य करने और यहां तक कि कश्मीर पर फिर से बातचीत करने की मांग की है। इस पत्र पर फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, मीरवाइज उमर फारूक और कुछ अन्य भारतीय हस्तियों के हस्ताक्षर भी हैं।

इन लोगों से देश पूछना चाहता है कि आखिर पाकिस्तान से इतनी मोहब्बत क्यों है? जो देश भारत में आतंकवादी भेजता है, हमारे नागरिकों की हत्या करवाता है, सीमा पार से गोलियां चलाता है, उसी देश के लिए इनके दिल में इतनी बेचैनी क्यों उमड़ती है? भारत ने जब पाकिस्तान का पानी रोकने की दिशा में कदम उठाया तो प्यास पाकिस्तान को लगी, लेकिन गला यहां बैठे तथाकथित शांति दूतों का सूखने लगा। आखिर क्यों? क्या इन लोगों को भारत की सुरक्षा से ज्यादा चिंता पाकिस्तान की खेती और उसकी बिजली व्यवस्था की है?

ये लोग कहते हैं कि वार्ता ही समाधान है। लेकिन देश जानना चाहता है कि आखिर कितनी वार्ताएं हो चुकी हैं? लाहौर बस यात्रा से लेकर आगरा शिखर वार्ता तक और उफा से लेकर शरम अल शेख तक भारत ने हर बार शांति का हाथ बढ़ाया। बदले में मिला क्या? कारगिल, संसद हमला, मुंबई हमला, उरी, पुलवामा और अब पहलगाम। पाकिस्तान हर बार वार्ता की मेज पर मुस्कुराता है और पीठ पीछे आतंकियों को भेजता है।

आज जब भारत पहली बार कठोर नीति पर डटा है तो देश के भीतर बैठे कुछ लोग बेचैन हो उठे हैं। उन्हें आतंकवाद पर गुस्सा नहीं आता, लेकिन पाकिस्तान का पानी रुकने पर दर्द होने लगता है। उन्हें भारत के शहीदों की चिंता कम और इस्लामाबाद की परेशानी ज्यादा दिखाई देती है। यह वही मानसिकता है जिसने दशकों तक भारत को कमजोर नीति में बांध कर रखा।

सच यह है कि सिंधु जल संधि का सबसे ज्यादा लाभ पाकिस्तान ने उठाया। भारत ने वर्षों तक उदारता दिखाई, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद फैलाता रहा। अब जब नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि आतंक और व्यापार, आतंक और वार्ता, आतंक और पानी साथ साथ नहीं चल सकते, तब पाकिस्तान दुनिया भर में सहानुभूति जुटाने निकला है। लेकिन दुनिया भी समझ रही है कि समस्या की जड़ कहां है।

पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि धमकियों से भारत डरने वाला नहीं है। पानी को लेकर युद्ध जैसे बयान देने वाले पहले अपने घर की हालत देखें। वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा रही है, जनता महंगाई से त्रस्त है और सेना तथा सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भारत विरोध का सहारा ले रही हैं।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान नीति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नया भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं देगा, बल्कि अपने हितों की रक्षा के लिए निर्णायक कदम भी उठाएगा। आतंकवाद को पालने वालों को अब हर क्षेत्र में जवाब मिलेगा। पाकिस्तान यदि वास्तव में शांति चाहता है तो उसे पहले आतंकवाद की फैक्टरी बंद करनी होगी। जब तक उसकी धरती से भारत विरोधी आतंक जारी रहेगा, तब तक कोई भी वार्ता केवल छलावा मानी जाएगी। बहरहाल, भारत की जनता अब भ्रम में नहीं है। देश समझ चुका है कि शांति की सबसे पहली शर्त सुरक्षा है। और जो लोग पाकिस्तान के लिए आंसू बहा रहे हैं, उन्हें यह याद रखना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल अब कोई नहीं कर सकता। नया भारत अपने सैनिकों के खून का हिसाब भी लेगा और अपने पानी का अधिकार भी बचाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आंग सान सू के बेटे ने मांगा मां के जिंदा होने का सबूत

नेपीडॉ, एजेंसी। म्यांमार की जेल में बंद लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की के बेटे किम एरिस ने जुंटा सरकार से उनकी मां के जीवित होने का ठोस सबूत मांगा है।एरिस को संदेह है कि उनकी 80 वर्षीय मां को घर में नजरबंद रखने के बजाय अब भी जेल में रखा गया है।उन्होंने कहा कि उनके पास स्थानांतरण का कोई सबूत नहीं है। वे तख्तापलट के बाद से हिरासत में हैं।उनके बेटे ने उनकी रिहाई के लिए अंतरराष्ट्रीय दबाव की मांग की है।

ड्रग्स तस्करी के आरोप में थाई एयरलाइन का कर्मी गिरफ्तार

मेलबर्न , एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने मेलबर्न हवाई अड्डे पर एक थाई एयरलाइन कर्मचारी को एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। 26 वर्षीय महिला बृहस्पतिवार को एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान के दौरान ड्यूटी पर थी। सामान की जांच के दौरान बैग की अस्तर में छिपाकर रखा गया सफेद पाउडर बरामद हुआ। शुरुआती जांच में इसके हेरोइन होने की पुष्टि हुई है।जब्त ड्रग्स की बाजार कीमत करीब 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर आंकी गई है।

लापता विमान के लिए खोजी अभियान 2027 तक रहेगा जारी

कुआलालंपुर , एजेंसी। मलयेशिया ने 12 साल पहले लापता हुए मलयेशिया एयरलाइंस के विमान की तलाश के लिए समुद्री रोबोटिक्स कंपनी ओशन इन्फिनिटी के साथ अपने अनुबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। परिवहन मंत्री एंथनी लोक ने बताया कि यह समझौता नो-फाइंड, नो-फी के आधार पर 30 जून 2027 तक प्रभावी रहेगा।कंपनी को विमान का मलबा मिलने पर ही 7 करोड़ डॉलर का भुगतान किया जाएगा यह अभियान नवंबर से अप्रैल के बीच शुरू होने की उम्मीद है।

बाइडन का ट्रंप पर निशाना कहा- लूजर, शान-शौकत को देते हैं ज्यादा अहमियत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने उत्तराधिकारी और मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक लूजर (असफल) व्यक्ति कहते हुए फिर से जुबानी हमला किया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, प्रक्रियाओं में विफलता और राष्ट्रीय कामकाज से ज्यादा अपनी निजी शान-शौकत को अहमियत देने का आरोप लगाया। हेनोवर में मेरीलैंड डेमोक्रेटिक पार्टी के एक फंडरेजिंग कार्यक्रम में बाइडन ने वाशिंगटन में जारी कई निर्माण व नवीनीकरण प्रोजेक्टों की निंदा भी की।उन्होंने वाशिंगटन डीसी में संरचनात्मक बदलावों पर निशाना साधा। उन्होंने व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में बदलाव, ट्रायम्फल आर्च (विजय स्मारक) के प्रस्तावित ढांचे और लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के बड़े पैमाने पर किए गए बदलावों की साफतौर पर निंदा की।

सिंगापुर : वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम को निर्विरोध महासचिव चुना

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की वर्कर्स पार्टी ने भारतवंशी प्रीतम सिंह को एक बार फिर अपना महासचिव चुन लिया है। यह फैसला ऐसे समय में हुआ है, जब विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।हाल ही में उन्हें साथी सांसद से जुड़े मामले में संसद में झूठ बोलने का दोषी ठहराया जा चुका है। सिंह (50) को पार्टी सदस्यों ने निर्विरोध महासचिव चुना। वर्कर्स पार्टी सिंगापुर के सबसे छोटे विपक्षी समूहों में से एक है।

255 किलो वजन वाले सात वर्षीय बच्चे की मौत, माता-पिता पर हत्या का केस

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में सात वर्षीय कैस्पर ओ'ब्रायन की मौत के मामले में उसके माता-पिता पर हत्या, यातना और बाल उत्पीड़न का आरोप लगाया गया है।बच्चे का वजन 116 किलोग्राम था और पोस्टमार्टम में उसकी मौत का कारण हृदय रोग बताया गया, जिसमें मोटापा भी एक प्रमुख वजह था। बच्चा बिस्तर पर पड़ा रहता था, उसके शरीर पर गंभीर घाव थे और घर की हालत भी बेहद खराब थी। दंपति न्यायिक हिरासत में है।

एक अरब डॉलर की धोखाधड़ी में चीनी कारोबारी गुओ वेंगुई को 30 साल की जेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने चीन के निर्वासित अरबपति कारोबारी गुओ वेंगुई को एक अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी के मामले में 30 वर्ष की जेल की सजा सुनाई है।अभियोजन के अनुसार, गुओ ने हजारों निवेशकों को फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाकर भारी रकम जुटाई और उससे आलीशान जीवन बिताया।अदालत ने कहा कि उसने लोकतंत्र समर्थकों का भरोसा तोड़ा और अपने कृत्यों की कोई जिम्मेदारी नहीं ली।गुओ ने खुद को निर्दोष बताते हुए मामले को चीन की साजिश करार दिया।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, यौन हमला मामले में नहीं मिली राहत, 43 करोड़ का जुर्माना बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 29 जून को यौन हमला मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बहुत बड़ा झटका दिया है। जूरी के पुराने फैसले को पलटने की ट्रंप की अपील को शीर्ष अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस कड़े फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप को इस कानूनी मामले में राहत मिलने की सभी उम्मीदें खत्म हो गई हैं। कोर्ट ने बिना कोई विशेष कारण बताए इस मामले में जूरी के फैसले को बरकरार रखने का महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है।

अदालत ने माना है कि ट्रंप ने पूर्व लेखिका ई. जीन कैरोल के साथ यौन हमला और उनकी भारी मानहानि की थी। इस सख्त फैसले के तहत उन्हें 50 लाख डॉलर यानी करीब 43 करोड़ रुपये का भारी-भरकम हर्जाना देना होगा। 9 मई 2023 को मैनहैटन की एक फेडरल अदालत ने 1996 में हुई इस घटना के लिए उन्हें दोषी ठहराया था। ट्रंप ने अदालत के इस फैसले पर अपनी भारी नाराजगी जताते हुए इसे पूरी तरह से एक फर्जी मामला बताया है।

कैरोल का यौन उत्पीड़न दावा : अब 82 साल की हो चुकीं पूर्व कॉलम लेखिका ई. जीन कैरोल ने 2019 में छपी अपनी किताब में यह बड़ा दावा किया था। उन्होंने बताया था कि 23 साल पहले न्यूयॉर्क के एक डिपार्टमेंट स्टोर के ट्रायल रूम में उनके साथ दुष्कर्म हुआ था। इसके जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें पागल महिला कहा था और किसी भी तरह की मुलाकात से साफ इनकार किया था। ट्रंप का कहना था कि दशकों पुरानी एक तस्वीर सबूत नहीं हो सकती जिसमें वह कैरोल और उनके पति के साथ खड़े हैं।

ट्रंप के दावे और कड़ा बचाव : डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार यह दावा किया है कि वह ई. जीन कैरोल नाम की इस महिला से अपनी जिंदगी में कभी नहीं मिले। उनके अनुसार दशकों पुरानी एक साधारण सी तस्वीर को आधार बनाकर उनके खिलाफ गहरी साजिश रची जा रही है। उन्होंने देश की कानूनी व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए इसे कानून का गलत इस्तेमाल और बेवकूफी भरा दावा बताया है। कैरोल की वकील रोबर्टा कैपलन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला जूरी के सर्वसम्मत फैसले की ऐतिहासिक जीत है।

न्याय विभाग की नई आपराधिक जांच : इसी साल मई के आखिर में अमेरिकी न्याय विभाग ने ई. जीन कैरोल के खिलाफ एक आपराधिक जांच शुरू की है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार जांच का मकसद यह पता लगाना है कि क्या कैरोल ने गवाही के दौरान शपथ लेकर झूठ बोला था। कैरोल ने अदालत में कहा था कि उन्हें इस मामले में किसी भी बाहरी व्यक्ति से आर्थिक मदद नहीं मिली है। जबकि बाद में यह सच सामने आया था कि अरबपति रीड हॉफमैन ने उनकी कानूनी फीस का एक बड़ा हिस्सा चुकाया था।

राजनीतिक विरोधियों पर सीधा निशाना : इस ताजा जांच ने फिर इस बात को मजबूती से साबित कर दिया है कि ट्रंप एक नया राजनीतिक दांव चल रहे हैं। न्याय विभाग का इस्तेमाल कर ट्रंप अपने निजी राजनीतिक विरोधियों को लगातार निशाना बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कैरोल के पक्ष का मानना है कि यह फैसला साफ करता है कि ट्रंप ने यौन हमला किया था। इस कानूनी लड़ाई में 43 करोड़ रुपये का जुर्माना बरकरार रहना ट्रंप के लिए चुनावी साल में एक बहुत बड़ा झटका है।

ट्रंप के विशेष दूत सर्जियो गोर बोले- अंतिम चरण में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में अमेरिकी के राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका-इंडिया ट्रेड डील अपने 'आखिरी चरण' में है और बातचीत का सिर्फ आखिरी एक फीसदी ही बाकी है. उन्होंने भरोसा जताया कि करीब 18 महीने की बातचीत के बाद यह डील जल्द ही पक्की हो जाएगी.

यहां अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोर ने कहा कि वह इस समझौते को पूरा करने के लिए पक्के इरादे वाले हैं, क्योंकि यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा. उन्होंने कहा, 'हम इस डील के आखिरी चरण में हैं. इस डील का ज्यादातर हिस्सा पूरा हो चुका है. दोनों तरफ कुछ चीजें बाकी हैं. यह उस डील का आखिरी 1 परसेंट हिस्सा है.'

भारत में अमेरिका के राजदूत ने दोनों देशों के बीच रिश्तों को लेकर उम्मीद जताई और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच पर्सनल इक्वेशन का जिक्र किया, जो रिश्तों को आगे बढ़ा रहा है. उन्होंने कहा, 'लोग पूछते हैं, इसमें इतना समय क्यों लग रहा है? हम डेढ़ साल से इस पर काम कर रहे हैं. इसे सही नजरिए से देखें तो हम 20 साल से ट्रेडिंग कर रहे हैं. इसलिए कोई बात नहीं, एक बार जब हम यूरोपियन डील को हरा देंगे, तो मुझे लगता है कि हम अच्छी हालत में होंगे, लेकिन मैं इसे खत्म करने का पक्का इरादा रखता हूँ.'

अमेरिकी दूत ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के पास भारत दौरे की बहुत अच्छी यादें हैं और वह अब भी इसके बारे में बात करते रहते हैं. गोर ने कहा, 'पिछली बार उनका दौरा, उनके सबसे खास दौरों में से एक था जिसके बारे में वह अब भी बात करते हैं. वह इसे बहुत खास जगह देते हैं. यह एक अविश्वसनीय बात है. इसलिए मैं राष्ट्रपति ट्रंप के भारत वापस आने का इंतजार कर रहा हूँ.' राजदूत ने यह भी बताया कि क्वाड के विदेश मंत्री अब से लगभग दो हफ़्ते में फिलीपींस में मिलने वाले हैं.

ऑस्ट्रेलिया: बच्चों के सोशल मीडिया खाते रोकने में नाकामी पर दोगुना जुर्माना

कैनबरा, एजेंसी। दुनिया में ऑस्ट्रेलिया ऐसा पहला देश रहा जिसने दिसंबर 2025 में बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर पाबंदी लगाते हुए कंपनियों पर सख्ती बरती, लेकिन कंपनियां इसे पूरी तरह नहीं मान रही हैं। इसे लेकर ऑस्ट्रेलिया सरकार बच्चों को खाता बनाने से रोकने में नाकाम रहने के चलते फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों पर संभावित जुर्माने को दोगुना करने की योजना बना रही है।

आलोचकों का कहना है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर लगाया गया दुनिया का पहला प्रतिबंध कारगर नहीं है। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने सोमवार को कहा, इन आयु-सीमा नियमों का सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा पर्याप्त पालन नहीं किए जाने के कारण कानून को और सख्त बनाने की जरूरत पड़ी है। यह कानून 10 दिसंबर से लागू हुआ था। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) से वेल्स ने कहा, हम सभी चाहते हैं कि यह व्यवस्था बेहतर तरीके से काम करे, लेकिन बड़ी कंपनियां इसे गंभीरता से नहीं ले रही हैं। सरकार अब यह जुर्माना बढ़ाकर 6.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर करने जा रही है।

ई-सेफ्टी आयुक्त को मिलेंगे अधिक अधिकार : ऑस्ट्रेलिया सरकार इस सप्ताह संसद में एक मसौदा विधेयक पेश करने जा रही है। सरकार के अनुसार, प्रस्तावित संशोधनों के तहत ई-सेफ्टी आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट को भी अधिक अधिकार दिए जाएंगे, ताकि वह यह सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों से आवश्यक जानकारी और दस्तावेज मांग सकें कि वे ऑस्ट्रेलियाई कानून का पालन कर रही हैं या नहीं।

पुतिन के मिसाइल हमलों से दहला यूक्रेन, 12 की मौत; रूस ने औद्योगिक शहरों को बनाया निशाना

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है, जहां युद्ध की आग केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गई है। हाल के हुए हमलों में ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने से न केवल यूक्रेन में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ है, बल्कि रूस के भीतर भी ईंधन संकट पैदा हो गया है।

यूक्रेन में रूसी मिसाइलों का तांडव : रूस की ओर से सोमवार को किए गए भीषण हवाई हमलों ने यूक्रेन के कई शहरों को दहला दिया। ये हमले उस समय हुए जब लोग अपने घरों से बाहर खुले स्थानों पर मौजूद थे, जिसके कारण हताहतों की संख्या काफी अधिक रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि मलबे और गंभीर रूप से घायलों की स्थिति को देखते हुए मरने वालों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। सबसे दर्दनाक मंजर यूक्रेन के निप्रो शहर में देखने को मिला, जहां एक रूसी मिसाइल सीधे एक मिनी बस से जा टकराई। इस हमले में 6 निर्दोष लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 29 अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, यूक्रेन के नियंत्रण वाले जपोरीजिया क्षेत्र में भी रूसी हमलों ने 3 लोगों की जान ले ली, जबकि खार्कीव में एक युवती की मौत और 10 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई है।

रूस के भीतर 'तेल का अकाल' : यूक्रेन ने भी इस युद्ध में अपनी रणनीति बदलते हुए रूस के आर्थिक और ऊर्जा केंद्रों पर सीधा प्रहार किया है। यूक्रेनी सेना ने रूस की कई बड़ी रिफायनरियों, तेल-गैस गोदामों और प्रमुख पाइपलाइनों को निशाना बनाया है। इन सटीक हमलों का परिणाम यह हुआ है कि रूस की राजधानी मास्को सहित देश के दक्षिणी हिस्सों और रूसी नियंत्रण वाले क्रीमिया में पेट्रोलियम पदार्थों का गंभीर संकट पैदा हो गया है। रूसी अधिकारियों को मजबूरन इन क्षेत्रों में ईंधन की बिक्री को सीमित करना पड़ा है। यूक्रेन के इन हमलों ने न केवल रूस की घरेलू आपूर्ति व्यवस्था को हिला दिया है, बल्कि उसके अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस निर्यात को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पुतिन की उच्चस्तरीय बैठक यूक्रेन का आरोप है कि रूस जानबूझकर उसके प्रमुख औद्योगिक शहरों निप्रो, जपोरीजिया और खार्कीव को निशाना बना रहा है ताकि नागरिक सुविधाओं और अर्थव्यवस्था को ध्वस्त किया जा सके। रूस के इन हमलों से यूक्रेन को जान और माल दोनों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दूसरी ओर, रूस के भीतर बिगड़ती स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक आपातकालीन उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के दौरान पुतिन ने स्वीकार किया कि तेल ठिकानों पर हमलों के बाद स्थिति काफी मुश्किल' बनी हुई है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि इस संकट पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया जाएगा और इसके लिए सरकार ने युद्धस्तर पर प्रयास शुरू कर दिए हैं।

शी जिनपिंग को बगावत का डर या करप्शन पर एक्शन? टॉप अफसरों को हटाने के मायने

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेशनल पीपल्स कांग्रेस से 6 सीनियर सैन्य अधिकारियों सहित कुल 13 सदस्यों को हटा दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब चीन की सेना पीपल्स लिबरेशन आर्मी में भ्रष्टाचार और अनुशासनहीनता के खिलाफ लगातार कार्रवाई चल रही है। एनपीसी की स्थायी समिति की ओर से जारी नोटिफिकेशन में हटाए गए अधिकारियों के खिलाफ विस्तृत कारण नहीं बताए गए, लेकिन माना जा रहा है कि यह कदम शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। हटाए गए सैन्य अधिकारियों में जनरल शू श्वेचियांग, जनरल ली फेंगबियाओ, जनरल गुओ पुशियाओ, वांग कांगपिंग, झांग मिंगहुआ और यिन होंगशिंग शामिल हैं। इनमें से कई अधिकारी पीएलए के विभिन्न थिएटर कमांड, साइबर स्पेस फोर्स और उपकरण विकास विभाग जैसे अहम पदों पर रह चुके हैं। जानकारों का कहना है कि इन अधिकारियों में से कुछ लंबे समय से सार्वजनिक कार्यक्रमों से गायब थे या उनकी गतिविधियों पर पहले से ही सवाल उठ रहे थे, जिससे उनके खिलाफ जांच की अटकलें लगाई जा रही थीं।

भ्रष्टाचार के आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया : सैन्य अधिकारियों के अलावा चीन के पूर्व वित्तीय नियामक प्रमुख ली युन्ज़े और पूर्व शिनजियांग पार्टी प्रमुख मा शिंगरुई को भी एनपीसी की सदस्यता से हटा दिया गया। इन दोनों को भी हाल के महीनों में जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। चीन के सरकारी मीडिया ने केवल इतना कहा कि संबंधित निकायों के फैसले के आधार पर इन सदस्यों को हटाया गया है, लेकिन भ्रष्टाचार या अन्य आरोपों डिटेल को सार्वजनिक नहीं किया गया।

जानकारों का मानना है कि यह कार्रवाई केवल भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि सेना और राजनीतिक व्यवस्था में राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पकड़ को और मजबूत करने की रणनीति का भी हिस्सा है। 2012 में सत्ता संभालने के बाद से जिनपिंग ने भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत हजारों अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कराई है। पिछले कुछ वर्षों में चीन के रक्षा मंत्रालय, सैन्य खरीद प्रणाली, मिसाइल बल और रक्षा उद्योग से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी भी जांच के दायरे में आए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि बीजिंग सैन्य नेतृत्व में पूरी राजनीतिक निष्ठा और जवाबदेही सुनिश्चित करना चाहता है। ताजा कार्रवाई यह दिखाती है कि चीन की सेना में जारी शुद्धिकरण अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि लगातार सीनियर अधिकारियों को हटाए जाने से एक ओर भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप के दावे को ईरान ने किया खारिज, अमेरिका के साथ दोहा वार्ता अभी टली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ईरान पीस वार्ता को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें ईरान ने अमेरिका के साथ होने वाली बैठक को सिरे से नकार दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि दोनों देशों के अधिकारी कतर की राजधानी दोहा में मुलाकात करेंगे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने इस बात को पूरी तरह से गलत बताया है। यह बयान ट्रंप की घोषणा के कुछ ही घंटों बाद आया है जिससे नई अनिश्चितता पैदा हो गई है।

ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगले कुछ दिनों में अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत का कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं है। हालांकि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह कतर की यात्रा जरूर करेगा लेकिन इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है। इस बयान ने होर्मुज में जहाजों के गुजरने और नाजुक शांति समझौते को लेकर चल रही बातचीत पर पानी फेर दिया है। यह घटनाक्रम कूटनीतिक संबंधों के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

स्विट्जरलैंड शांति समझौते पर संकट : कुछ ही दिन पहले दोनों देशों के बीच स्विट्जरलैंड में सैन्य संघर्ष को खत्म करने के लिए एक महत्वपूर्ण डील हुई थी। ऐसा लग रहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रही महाजंग अब खत्म होने की दिशा में आगे बढ़ रही है। लेकिन होर्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर दोनों देशों के बीच फिर से गहरे मतभेद पैदा हो गए। इसके बाद ईरान के नए बयान ने शांति समझौते की लाइफलाइन को काफी कमजोर कर दिया है। ईरान द्वारा उठाए गए कुछ सख्त कदमों के जवाब में अमेरिका ने ईरान के कई शहरों में जमकर बमबारी की थी। इससे दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया था। परस्पर विरोधी बयानों ने दोनों मुल्कों के बीच कूटनीति के भविष्य को लेकर दुनिया भर में एक नई अनिश्चितता पैदा कर दी है। यह स्थिति वैश्विक शांति और व्यापार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बनती जा रही है। अमेरिका और ईरान पिछले चार महीने तक चले भयंकर संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में जुटे हुए थे। दोनों देश एक 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन को बनाए रखने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसके तहत दोनों देशों ने सैन्य संघर्ष को रोकने और व्यापार के लिए होर्मुज को फिर से खोलने पर सहमति जताई थी। बातचीत रुकने से इन सभी अहम फैसलों के लागू होने पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। उन्होंने दावा किया था कि तेहरान ने खुद अमेरिका के साथ इस शांति बातचीत की गुजारिश की थी। बाद में व्हाइट हाउस ने भी इस अहम बैठक की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया था।

व्हाइट हाउस ने बताया था कि राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ इस हाई लेवल मीटिंग में हिस्सा लेने वाले थे। उनके साथ जेरेड कुशनर भी शांति वार्ता के लिए कतर की राजधानी दोहा जाने वाले थे। लेकिन ईरान के अचानक आए इस बयान ने अमेरिकी प्रशासन की सभी तैयारियों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कतर यात्रा पर स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है।

जर्मनी के स्टाड शहर में अंधाधुंध गोलीबारी, 5 लोगों की मौत; 8 महीनों में चौथी बड़ी वारदात

बर्लिन, एजेंसी। यूरोपीय देश जर्मनी एक बार फिर गोलियों की गूंज से दहल उठा है। उत्तरी जर्मनी के स्टाड शहर में सोमवार को हुई मास शूटिंग की एक दिल दहला देने वाली घटना में पांच लोगों की मौत हो गई है। इस हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य संदिग्ध सहित दो लोगों को हिरासत में ले लिया है।

स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी : यह दुखद वारदात स्टाड शहर के डैंकर्सश्ट्रासे इलाके में हुई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हमला शहर के केंद्र में स्थित एक युवा केंद्र के पास हुआ, हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसे 'मदर एंड चाइल्ड शेल्टर' भी बताया जा रहा है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी दी है कि इलाके में काफी देर तक गोलियों की आवाजें सुनाई देती रहीं, जिससे स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने नागरिकों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की है ताकि आपातकालीन सेवाओं और जांच अभियान में कोई बाधा न आए। फिलहाल, मृतकों की पहचान को लेकर केवल इतना बताया गया है कि मारे गए सभी पांचों व्यक्ति वयस्क थे। घायलों की सटीक संख्या और उनकी स्थिति के बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

आठ महीनों में चौथी बड़ी वारदात : 50 हजार की आबादी वाला स्टाड शहर अब उस सूची में शामिल हो गया है जहां हाल के दिनों में भीषण गोलीबारी हुई है। चिंताजनक बात यह है कि पिछले आठ महीनों के भीतर जर्मनी में मास शूटिंग की यह चौथी बड़ी घटना है। यह आंकड़ा देश की आंतरिक सुरक्षा और बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हालिया घटनाओं का सिलसिला: 20 फरवरी 2026: बवेरिया के स्टुलेंडॉर्फ में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

25 जनवरी 2026: बर्लिन के टियरगार्टन में एक पारिवारिक विवाद के दौरान हुई गोलीबारी में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

25 नवंबर 2025: रुतलिंगेन में एक व्यक्ति ने अपनी बहन की हत्या करने के बाद अपने ही दो बच्चों, अपने साथी और अंत में खुद को भी गोली मार ली थी। स्टाड पुलिस का कहना है कि वर्तमान हमले के पीछे का मकसद और परिस्थितियां अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई हैं। मुख्य हमलावर और उसके साथी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या यह कोई सोची-समझी साजिश थी या किसी व्यक्तिगत रंजिश का परिणाम। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, नई जानकारियां सार्वजनिक की जाएंगी।

मध्य प्रदेश में उठाएं बीच का मजा

जरूर एक्सप्लोर करें ये मनमोहक और खूबसूरत जगह

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का %मिनी गोवा% भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

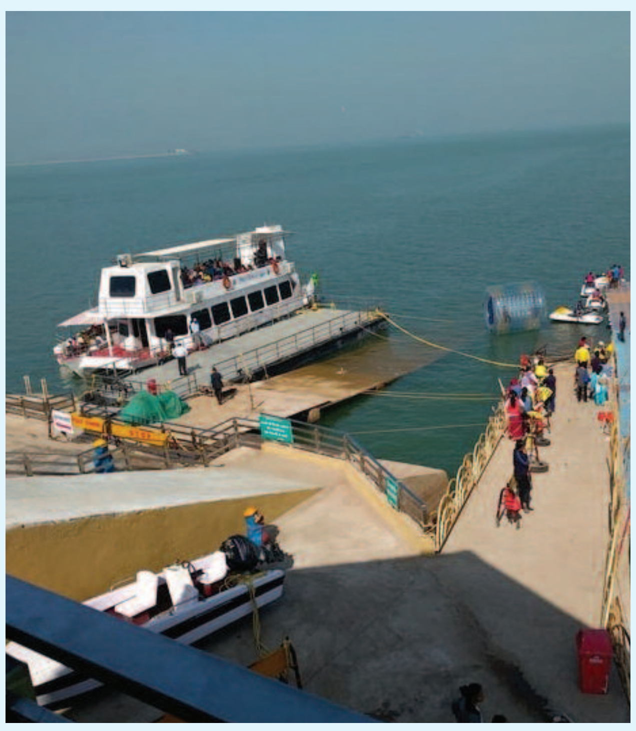

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है.मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और औपनिवेशिक विरासत का अनोखा मेल है कसौली

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले में स्थित कसौली एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक और शांत पहाड़ी स्थल है। समुद्र तल से लगभग 1,900 मीटर की ऊँचाई पर बसा कसौली अपनी हरियाली, शांत वातावरण, औपनिवेशिक इमारतों और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। यह एक आदर्श स्थान है उन लोगों के लिए जो भीड़भाड़ और शोरगुल से दूर कुछ सुकून के पल बिताना चाहते हैं।

कसौली का इतिहास और विशेषता

कसौली की स्थापना 1842 में ब्रिटिश राज के दौरान एक सैन्य छावनी के रूप में हुई थी। यहाँ आज भी कई ब्रिटिश-युग की इमारतें और चर्च मौजूद हैं, जो इसके इतिहास को जीवंत बनाए रखते हैं। साथ ही, यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और साफ-सुथरी जलवायु इसे एक बेहतरीन हिल स्टेशन बनाती है।

प्रमुख आकर्षण

1. मंकी पॉइंट

कसौली का सबसे ऊँचा स्थान मंकी पॉइंट है, जहाँ से सतलुज नदी, चंडीगढ़ और शिमला के दृश्य साफ दिखाई देते हैं। यहाँ एक छोटा हनुमान मंदिर भी है, जो धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य दोनों के लिए प्रसिद्ध है।

2. गिल्बर्ट ट्रेल

प्राकृतिक प्रेमियों और वॉकिंग के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श जगह है। यह पगडंडी देवदार और ओक के पेड़ों के बीच से गुजरती है और यहां की शांति आत्मा को सुकून देती है।

3. क्राइस्ट चर्च

1853 में बना यह चर्च कसौली की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है। इसकी गोथिक शैली की वास्तुकला और रंगीन कांच की खिड़कियाँ देखने लायक हैं।

4. सनसेट पॉइंट

शाम के समय यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य अत्यंत मनमोहक होता है। पहाड़ियों के बीच सूरज को डूबते हुए देखना एक अविस्मरणीय अनुभव है।

5. कसौली ब्रुअरी

यह एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी मानी जाती है, जो अब भी संचालित हो रही है। यह ब्रिटिश काल की विरासत को संजोए हुए है।

कसौली में करने योग्य गतिविधियाँ

- प्राकृतिक ट्रेल्स पर वॉकिंग और ट्रेकिंग
- स्थानीय बाजारों में शॉपिंग (हस्तशिल्प, ऊनी वस्त्र, जैम आदि)
- फोटोग्राफी और बर्ड वॉचिंग
- चर्चों और औपनिवेशिक इमारतों की खोज
- शांत वातावरण में ध्यान और योग

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून: गर्मियों में ठंडक का आनंद लेने के लिए उपयुक्त।

सितंबर से नवंबर: साफ आसमान और हरियाली देखने के लिए।

दिसंबर से फरवरी: बर्फबारी का आनंद लेने वालों के लिए बेहतरीन समय।

कैसे पहुँचे कसौली?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा चंडीगढ़ (लगभग 60 किमी) है।

रेल मार्ग : निकटतम रेलवे स्टेशन कालका (लगभग 25 किमी) है, जहाँ से टैक्सी या बस ली जा सकती है।

सड़क मार्ग : चंडीगढ़, शिमला, दिल्ली से सीधी बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं।

कसौली एक ऐसा पर्यटन स्थल है जहाँ प्रकृति की गोद में शांति, सौंदर्य और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो जीवन की दौड़-भाग से दूर कुछ पल सुकून और ताजगी के साथ बिताना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रवांई घाटी के 65 गांव की डांडा देवराना की जातर मनाई

नौगांव (उत्तरकाशी)। रवांई घाटी के 65 गांव की प्रसिद्ध डांडा देवराना की जातर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने देवराना पहुंच कर रुद्रेश्वर महाराज के दर्शन कर मन्नतें मांगी। आषाढ़ माह में देवराना में रुद्रेश्वर देवता के नाम की डांडा देवराना की जातर मनाई जाती है। इसमें रंवाई घाटी सहित कमल सेराईं, जौनसार और टिहरी गढ़वाल के दसगी बणगांव से श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु देवराना राजकीय मेले में शामिल हुए।

रुद्रेश्वर महादेव तीस जून को गर्भगृह से बाहर निकले थे। बुधवार को देव डोली ढोल बाजों के साथ देवराना पहुंची। वहां मौजूद हजारों श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य देव को श्रीफल चुनरी और हरियाली भेंट कर मन्नतें मांगी। शाम पौने चार बजे मंदिर समिति की ओर से देवता के पश्वा अमन सेमवाल को मंदिर के ऊपर बने लकड़ी के शेर पर बैठाया गया।

उन्होंने महादेव की मूर्ति को दूध का अभिषेक करवा कर तीन बार श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए और सभी को सुख समृद्धि का आशीर्वाद दिया। देवराना मंदिर परिसर में मौजूद श्रद्धालुओं ने देव डोली के साथ तांदी नृत्य कर मेले का लुप्त उठाया। इस मौके पर केंद्रीय समिति के अध्यक्ष जगमोहन परमार, विधायक दुर्गेश्वर लाल, फुलक सिंह, जयेंद्र सिंह राणा, प्रेम सिंह, श्रीचंद राणा, विजय सिंह, डॉ. विरेंद्र चंद, देव माली अमित नौटियाल, संकित थपलियाल आदि मौजूद रहे।

बारिश ने बदली कुमाऊं की तकदीर

हल्द्वानी। सोमवार देर रात मानसून ने कुमाऊं में दस्तक देकर मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। मंगलवार को कुमाऊं मंडल के सभी जिलों में कहीं रुक–रुक कर तो कहीं लगातार बारिश होती रही। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बीते दो दिन में हल्द्वानी का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस तक गिरा है। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अगले चार से पांच दिनों तक क्षेत्र में इसी तरह बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक डॉ. चंद्र सिंह ने बताया कि इस बार मानसून कुछ विलंब से पहुंचा है। सोमवार रात मानसून ने बिहार और उत्तर प्रदेश की ओर से उत्तराखंड में प्रवेश किया।प्रदेश में हरिद्वार को छोड़कर सभी जिलों को मानसून ने कवर कर लिया लिया है। अगले चार पांच दिनों तक बारिश का दौर चलेगा। इधर आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह आठ बजे तक नैनीताल में सर्वाधिक 11 और हल्द्वानी में आठ मिलीमीटर बारिश हुई है। इस दौरान हल्द्वानी का अधिकतम तापमान 26.4 और न्यूनतम 23.5 डिग्री रहा।

फसलों के लिए वरदान साबित होगी बारिश

जून के महीने में गर्मी के कारण लोग त्रस्त तो थे ही बारिश न होने के कारण खेती–बाड़ी भी प्रभावित हो रही थी। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि अब मानसूनी बारिश शुरू होने से खेती–बाड़ी को भी फायदा होगा। पर्वतीय क्षेत्रों में मडुवा और आलू की बुवाई आसान होगी वहीं मैदानी क्षेत्रों में भी बारिश का फायदा काश्तकारों को मिलेगा।

सड़क पार कर रही महिला को कार ने रौंदा, मौत

रुद्रपुर। किच्छा रोड पर सड़क पार कर रही एक महिला को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को चालक और उसकी बहन ने निजी अस्पताल पहुंचाया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वार्ड नंबर 15 किच्छा निवासी शबनम (36) पत्नी नाजिम इन दिनों अपने पिता नवाब खान के घर रुद्रपुर रह रही थी। वह किच्छा रोड स्थित एक घर में काम कर परिवार की आजीविका में सहयोग करती थी। बताया गया कि सोमवार शाम शबनम अपनी छोटी बहन शना के साथ शिमला पिस्तौर क्षेत्र में सड़क पार कर रही थी। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में शबनम गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक मौके से भागा नहीं बल्कि महिला को उसकी बहन की मदद से एक निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टर ने महिला का इलाज शुरू किया लेकिन देर रात इलाज के दौरान शबनम ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 10 जुलाई तक बढ़ीगूलर

भोज। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गूलरभोज के अधीक्षक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि सत्र 2026–27 के लिए एनसीवीटी व्यवसायों में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि 29 जून निर्धारित थी, जिसे अब 10 जुलाई तक बढ़ा दिया गया है। यह प्रवेश प्रक्रिया केवल अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए है। इच्छुक अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस पर आईटीआई गूलरभोज से पंजीकरण फार्म प्राप्त कर आवेदन कर सकते हैं। पूर्व में जारी सभी शर्तें यथावत लागू रहेंगी।

आज से विद्यालयों में लौटेगी रौनक

काशीपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद आज से स्कूलों में रौनक लौटेगी। एक सप्ताह बाद कक्षाएं विधिवत संचालित होने की संभावना है। अप्रैल से शैक्षिक सत्र शुरू हो चुका है। ग्रीष्म अवकाश के बाद एक जुलाई से स्कूल खुलने है। कक्षा एक से 12 तक विद्यालयों में प्रधानाचार्य–प्रधानाध्यापक को छोड़कर करीब सभी शिक्षक समेत कार्मिकों की ड्यूटी एसआईआर में लगी है। ऐसे में शिक्षण कार्य पर असर पड़ना तय है। हालांकि विभाग ने संपूर्ण व्यवस्था करने का दावा किया है। ऐसे में नई कक्षा में आने वाले छात्रों के लिए कक्षाओं में पढ़ना चुनौती से भरा रहेगा। बीईओ धीरेंद्र कुमार साहू ने बताया कि एक जुलाई से विद्यालय खुलेंगे। प्रवेश भी निरंतर चलने हैं। स्कूलों में पढ़ाई बाधित नहीं होने दी जाएगी।

हाईवे से हटे खतरनाक बोल्डर, दोबारा शुरु हुआ यातायात

सतपुली-गुमखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार रात से बंद किया गया था यातायात

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नजीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर फंसे बोल्डर को ध्वस्त करने के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बंद किया गया था। बोल्डर हटने के बाद हाईवे पर बुधवार सुबह से यातायात दोबारा से शुरु हो चुका है।

वर्तमान में नजबीबाबाद-बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग सतपुली-गुमखाल के मध्य चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। ऐसे में मार्ग स्थित पहाड़ी पर कई खतरनाक बोल्डर फंसे हुए हैं। जिससे हादसों का अंदेशा बना हुआ है।

दो दिन पूर्व मार्ग पर एक वाहन के ऊपर बोल्डर गिर गया था। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। जबकि, दो अन्य घायल हो गए थे। इस तरह की घटनाएं कई बार सामने आ चुकी है। वर्षा के दौरान व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्यदायी संस्था की ओर से बोल्डर बलास्ट करने का कार्य किया गया। इस-

गुमखाल–सतपुली के मध्य हाईवे पर हो रहा सड़क चौडीकरण का कार्य

के लिए मंगलवार शाम से हाईवे पर यातायात बंद किया गया। मशीनों की सहायता से बोल्डर हटाने का अभियान शुरू किया गया। पूरी रात चले अभियान के बाद बुधवार सुबह लगभग साढ़े छः बजे तक सभी जोखिम वाले बोल्डरों को हटा दिया गया, जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही फिर से शुरू कर दी गई।

मेडिकल कॉलेज में रैगिंग, विद्यार्थियों को किया परेशान

अल्मोड़ा ,सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान और शोध संस्थान (अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज) में रैगिंग का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक पीजी छात्र ने एमबीबीएस बैच 2023 के विद्यार्थियों के साथ अभद्रता की। पीड़ितों की शिकायत मिलने के बाद इस मामले में एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक बुलाई गई है।

अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत एमबीबीएस बैच 2023 के विद्यार्थियों ने एंटी रैगिंग हेल्पलाइन के माध्यम से शिकायत की है। कहा कि कॉलेज के ही एक पीजी छात्र ने उनके साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार किया। इससे वह डरे सहमे हैं। रैगिंग की शिकायत मिलने पर कॉलेज प्रशासन में खलबली मच गई। उक्त शिकायत

की गंभीरता और प्रकरण की संवेदनशील प्रकृति के दृष्टिगत शिकायत पर अग्रिम कार्रवाई के लिए कॉलेज प्रशासन ने एक जुलाई को सुबह 10:30 बजे से प्राचार्य कार्यालय सभागार में एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक बुलाई है।

इधर, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीपी भैसोड़ा ने बताया कि बुधवार को बैठक के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा ने भगवान राम के नाम पर की लूट : प्रीतम सिंह

उत्तरकाशी। प्रदेश कांग्रेस के चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि आज पूरा उत्तराखंड बदलाव चाहता है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इन्होंने भगवान राम तक को लूट लिया तो आम जनता उनके सामने कुछ भी नहीं है। कहा कि आज आम जनता भाजपा के झूठे चेहरे को पहचान चुकी है। आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस एकजुट कर जनता के आशीर्वाद से दोबारा प्रदेश में मजबूती के साथ वापसी करेगी।उत्तरकाशी के हनुमान चौक में परिवर्तन संकल्प रैली के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में जो रसोई गैस सिलिंडर चार सौ रूपए का मिलता था। आज उसके दाम हजार रुपये हो गए हैं। उसके बावजूद इस सुविधा के लिए उन्हें दर–दर भटकना पड़ रहा है। अब जनता भाजपा के असली चेहरे को पहचान चुकी है। उन्होंने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा नेताओं को नाम सामने आए है। दूसरी ओर पूरा प्रदेश अपराध प्रदेश बन चुका है। आम व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। इसलिए इस रैली के माध्यम से बदलाव का संकल्प उत्तरकाशी में गंगा और यमुना की भूमि से लिया गया है।

डौर—पाली सड़क की उम्मीद जगी

यमकेश्वर। डौर—पाली मोटर मार्ग निर्माण के लिए लोनिवि दुगड्डा ने शासन को डीपीआर भेज दी है। सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद बिनक से डौर—पाली के लिए 3 किमी लंबी सड़क का निर्माण होगा। सड़क निर्माण से डौर और पाली के 70 परिवार सीधे लाभान्वित होंगे। लोनिवि दुगड्डा 2017 में डौर—पाली मोटर मार्ग की डीपीआर भेजी थी। सड़क निर्माण के लिए एनओसी न मिलने के कारण लोनिवि आगे की कार्रवाई नहीं कर पाया था। जिससे करीब सात साल सड़क का मामला ठंडे बस्ते में चले गया था। डौर—पाली दोनों गांवों में आबादी भी ठीक है। इन गांवों में पलायन भी नाममात्र का है। आजीविका के लिए गांव का प्रत्येक परिवार पशुपालन और खेती करता है। सड़क न होने से ग्रामीणों को कृषि उत्पाद और दूध बाजार तक पहुंचाने में भारी दिक्कत होती है।

कामर गांव की सड़क चार दिन से बंद

उत्तरकाशी। नाल्ड–कठूड़ क्षेत्र के दूरस्थ कामर गांव को जोड़ने वाली सड़क चार दिन से बंद पड़ी है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के कारण उन्हें गांव पहुंचने के लिए करीब पांच से छह किमी की पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। सड़क बंद होने के कारण लोगों के आलू मंडी तक न पहुंच पाने के कारण खराब हो रहे हैं। कहा कि जब पिछले चार दिन में सड़क नहीं खुल पाई तो अब बरसात शुरू होने पर उन्हें अधिक परेशानी उठानी पड़ेगी। कामर गांव की ग्राम प्रधान राजेश्वरी देवी, प्रकाश राणा, महावीर राणा ने बताया कि बीते शनिवार को कुलड़ा नामे तोक के समीप भूस्खलन होने के कारण सड़क बंद हो गई थी। वहां पर ग्रामीणों ने स्वयं ही बोल्डर और मलबा हटाकर किसी प्रकार से दोपहिया वाहनों के लिए खतरे के बीच रास्ता तैयार किया लेकिन बीते मंगलवार को हुई बारिश के बाद अधिक मलबा आने के कारण सड़क पर हर प्रकार की आवाजाही बंद हो गई है। इस कारण ग्रामीणों को करीब पांच से छह किमी की पैदल दूरी तय करनी

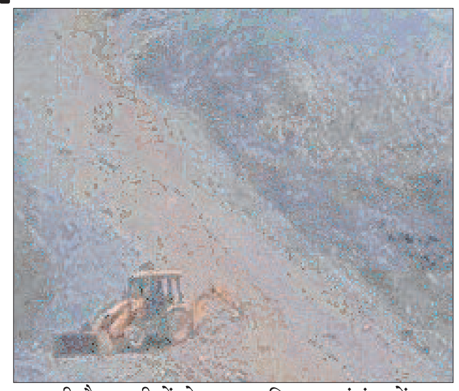

पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में जब प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजन विभाग के अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उनके पास मशीन संचालन के लिए ऑपरेटर ही उपलब्ध नहीं है। इससे अब मानसून सीजन शुरू होने से पहले ही गांव का संपर्क अन्य गांव और जिला मुख्यालय से कट गया है।

सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हवन-यज्ञ के साथ शैक्षणिक कार्य शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रीष्मकालीन अवकाश के उपरांत बुधवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, जानकीनगर, कोटद्वार में नए उत्साह और वैदिक परंपरा के साथ शैक्षणिक कार्यों का शुभारंभ किया गया। विद्यार्थियों के पुनः विद्यालय आगमन पर आत्मिक शुद्धि तथा विद्या की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की कृपा प्राप्ति के उद्देश्य से हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया।

विद्यालय के मीडिया एवं परीक्षा प्रभारी रोहित बलोदी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती के मार्गदर्शन में हुआ। हवन-यज्ञ का संयोजन आचार्य अनिल कोटनाला एवं राजन कुमार शर्मा ने किया। इस दौरान सभी आचार्यगण एवं कर्मचारियों ने आहुति अर्पित कर विद्यालय परिवार की उन्नति, विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य तथा राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख राकेश चमोली, राहुल भाटिया, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम अधिकारी भूपेंद्र सिंह, शिवराम बडोला, परीक्षा प्रभारी रोहित बलोदी, मोहन

विद्यालय में यज्ञ करते शिक्षक व विद्यार्थी

सिंह, संगीता रावत, संगीता कुकशाल, मधुबाला नौटियाल, विनीता बिष्ट, सरोज नेगी, साक्षी अग्रवाल, पूनम नेगी, प्रेम सिंह, सच्चिदानंद, मुकेश सुंदरियाल, सुरेंद्र राणा सहित समस्त आचार्यगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मनोज कुकरेती ने सभी शिक्षकों को आगामी शैक्षणिक चरण के लिए शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगिण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा संस्कारयुक्त वातावरण के निर्माण के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। हवन-यज्ञ के उपरांत विद्यालय में नियमित शैक्षणिक गतिविधियां प्रारंभ कर दी गईं।

रामलीला मैदान की नालियां बंद

बाजार में घुस रहा बरसात का पानी

उत्तरकाशी। नगर के रामलीला मैदान में वर्षों से बंद पड़ी नालियों के कारण बरसात का पानी सीधे मुख्य बाजार की ओर बह रहा है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बाजार क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बन रही है। इससे व्यापारियों के साथ–साथ आम लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही दुकानों के बाहर और अंदर रखा सामान पानी की चपेट में आकर खराब हो रहा है। इससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

स्थानीय व्यापारी इस्तीयाग अहमद और रमेश बग्यिाल का कहना है कि बरसात शुरू होते ही रामलीला मैदान का पानी बाजार की ओर आने लगता है। नालियां चौक होने के कारण पानी की निकासी नहीं हो पा रही है और पूरा पानी मुख्य बाजार में फैल रहा है। इससे दुकानों के सामने कीचड़ और जलभराव की स्थिति बनी रहती है। ग्राहकों को भी दुकानों तक पहुंचने में दिक्कत होती है, जिसका असर व्यापार पर पड़ रहा है। इसके साथ ही राहगीरों को भी जलभराव के कारण आवाजाही में काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। कहा कि यदि समय रहते नालियों की सफाई और मरम्मत नहीं कराई गई तो आगामी दिनों में लगातार होने वाली बारिश से स्थिति और गंभीर हो सकती है।

होटल में काम करता मिला बाल श्रमिक

बाजपुर। बाल श्रम उन्मूलन के तहत श्रम प्रवर्तन विभाग और चाइल्ड लाइन, आईएसडी एनजीओ की संयुक्त टीम ने नगरीय क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। मुंडिया पिस्तौर स्थित बिरयानी होटल पर 10 वर्षीय बच्चा काम करता मिला। मौके पर होटल संचालक को सख्त हिदायत दी। श्रम प्रवर्तन अधिकारी बलराम सिंह ने बताया कि बालक के परिजनों को भी बुलाकर पूछताछ की गई। उन्होंने बताया कि बाल श्रम कानून के तहत होटल संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। बालक की काउंसलिंग कर आगे की शिक्षा और पुनर्वास की व्यवस्था कराई जाएगी। टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी, एसआई प्रताप सिंह, चाइल्ड लाइन से पूजा सरकार, सुनीता बाला, आईएसडी एनजीओ से संगीता गुप्ता, उवेश खान आदि शामिल रहे।

15.15 करोड़ से बना खजूरखाल-भण्डारीखोड़ मोटर मार्ग, ग्रामीणों को मिली बेहतर सड़क सुविधा

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत सीमांत जनपद चमोली के विकासखंड गैरसैंण में 15.375 किलोमीटर लंबा खजूरखाल-भण्डारीखोड़ मोटर मार्ग निर्माण कार्य पूर्ण कर क्षेत्रवासियों को समर्पित कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिशासी अभियंता प्रमोद गंगाड़ी ने बताया कि इस मोटर मार्ग का निर्माण 15 करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से कराया गया है। सड़क निर्माण पूर्ण होने से क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित, सुगम एवं सर्वकालिक

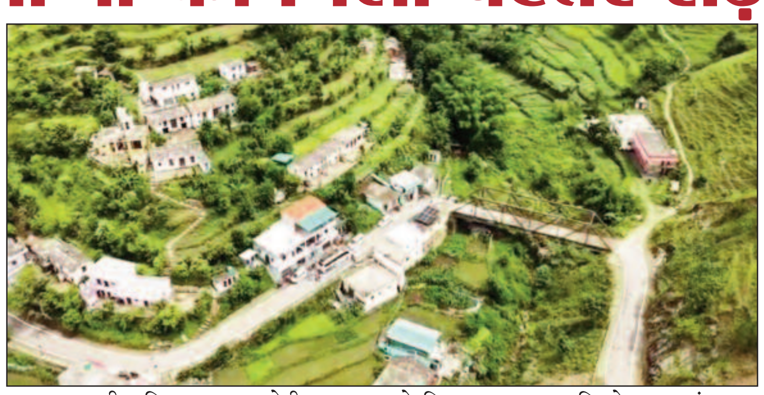

आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। इस सड़क के निर्माण से कूनीगाड़ मल्ली, कूनीगाड़ तल्ली, कूनीगाड़ बिचली, कोठा, भण्डारीखोड़ सहित आसपास के अनेक गांवों के हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क स्थापित होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, रोजगार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक ग्रामीणों की पहुंच पहले की अपेक्षा अधिक आसान और तेज होगी। मोटर मार्ग बनने से स्थानीय किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को अपने कृषि, बागवानी एवं अन्य स्थानीय उत्पादों को गैरसैंण तथा चौखुटिया के बाजारों तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी। इससे परिवहन लागत में कमी आएगी, समय की बचत होगी तथा ग्रामीणों की आय और आजीविका को भी नई मजबूती मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने निर्माण कार्य के दौरान विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता के उच्च मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा कि खजूरखाल-भण्डारीखोड़ मोटर मार्ग के निर्माण से क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हुई है। यह सड़क न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यटन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति प्रदान करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हर्षिल में भागीरथी के बढ़ते जलस्तर ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता

उत्तरकाशी। मानसून के बीच हर्षिल में भागीरथी नदी का बढ़ता जलस्तर प्रशासन के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। संभावित खतरे को देखते हुए जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और नदी के प्राकृतिक बहाव को बनाए रखने, कटाव रोकने और सुरक्षात्मक कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी और जन सुरक्षा को सवोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नदी के बहाव क्षेत्र में एक पेड़ के कारण जलधारा प्रभावित होने की आशंका जताते हुए सिंचाई विभाग को उसे तत्काल हटाने के निर्देश दिए। साथ ही नदी के दूसरी ओर झुके हुए पेड़ों को भी हटाने के आदेश दिए ताकि नदी का प्राकृतिक बहाव बाधित न हो। जिलाधिकारी ने गढ़वाल मंडल विकास निगम के समीप चल रहे सीसी ब्लॉक एवं वायरक्रेट सुरक्षात्मक कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्माण स्थल पर श्रमिकों की संख्या बढ़ाने और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए, जिससे मानसून के दौरान नदी किनारे स्थित आवासीय भवनों और भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ संवेदनशील क्षेत्रों की

लगातार निगरानी करने के निर्देश देते हुए कहा कि जन सुरक्षा जिला प्रशासन की सवोच्च प्राथमिकता है।

नदी का कटाव रोकने और संभावित जोखिम को कम करने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षात्मक एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान आर्मी कर्नल शशांक सप्पल, उपजिलाधिकारी भटवाड़ी शालिनी नेगी, अधिशासी अभियंता सिंचाई सचिन सिंहल, डीडीएमओ शार्दुल गुसाईं मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

फीफा वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच के किंग बने किलियन एम्बाप्पे

88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ रचा इतिहास

स्वीडन पर 3-0 की धमाकेदार जीत

फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल करने का अपना शानदार फॉर्म जारी रखा हुआ है. उन्होंने टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल दागकर इतिहास रच दिया और नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा गोल करने का ऑल-टाइम 88 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया.

नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए – अपने तीसरा वर्ल्ड कप में खेल रहे 27 वर्षीय एम्बाप्पे अब टूर्नामेंट के नॉकआउट स्टेज में 10 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड ब्राजील के स्टार लियोनिडास और रोनाल्डो के नाम था. दोनों के नाम वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच में संयुक्त रूप से 8-8 गोल हैं।

नॉकआउट राउंड में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी

किलियन एम्बाप्पे (फ्रांस): 10 गोल (2018-2022-2026)

रोनाल्डो (ब्राजील): 8 गोल (1998-2002)

लियोनिडास (ब्राजील): 8 गोल (1934-1938)

फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट में एम्बाप्पे के गोल – एम्बाप्पे ने 2018 संस्करण में राउंड ऑफ 16 में अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला नॉकआउट मैच

खेलते हुए दो गोल के साथ अपनी नॉकआउट यात्रा शुरू की थी. बाद में, उन्होंने फाइनल मुकाबले में क्रोएशिया के खिलाफ गोल करके शानदार प्रदर्शन किया, जहां फ्रांस ने 4-2 से जीत हासिल कर खिताब जीता. 2022 संस्करण में, एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 16 में पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और फिर अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाई, लेकिन फ्रांस पेनल्टी शूटआउट में फाइनल हार गया. अब, दो गोल के साथ, एम्बाप्पे ने अपने गोल की संख्या 10 तक पहुंचा दी है।

गोल्डन बूट की रेस में मेसी से आगे निकले एम्बाप्पे – एम्बाप्पे ने राउंड ऑफ 32 के मैच में दो गोल किए. जिसके साथ उसके जारी टूर्नामेंट में गोलों की संख्या छह हो गई है और वो अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी के बराबर पहुंच गए, लेकिन दो असिस्ट के कारण वो गोल्डन बूट की रेस में उनसे आगे निकल गए हैं। इसके अलावा वर्ल्ड कप में एमबाप्पे के अब तक कुल 18 गोल हो गए हैं, जो टूर्नामेंट के इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा गोल हैं. उन्होंने जर्मनी के फुटबॉल लेजेंड मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी (19) हैं. आने वाले दिनों में इन दोनों स्टार खिलाड़ियों के बीच स्थिति में बदलाव लगभग तय है. अब जब राउंड ऑफ 16 में फ्रांस का सामना पैराग्वे से होगा, तो एम्बाप्पे के पास अपने गोल की संख्या और बढ़ाने का मौका होगा। एमबाप्पे के इस विश्व कप में अब छह गोल हो चुके हैं और वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेस्सी की बराबरी पर पहुंच गए हैं। वहीं, विश्व कप इतिहास में उनके कुल गोलों की संख्या 18 हो गई है।

अंडर-15 चैंपियनशिप

अथर्व शर्मा के 93 रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स फाइनल में पहुंची

गाजियाबाद (एजेंसी)। अथर्व शर्मा (93) की शानदार पारी की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने फ्यूचर स्टार अंडर-15 चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल की विजेता करीम कैपिटल्स चार्जर्स से होगा। पहले समीफाइनल में अथर्व शर्मा के (93) रनों की बदौलत मेरठ स्पार्टन्स ने सोनीपत किंग्स को 91 रनों से हराया। जबकि दूसरे सेमीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर के 65 रनों की मदद से करीम कैपिटल चार्जर्स ने नोएडा ब्लेज को छह विकेट से मात दी। अथर्व शर्मा के 93 रन और अयान सिद्दीकी के चार विकेट ने सोनीपत किंग्स को हराया मेरठ स्पार्टन्स ने अथर्व शर्मा की 57 गेंदों में 93 रनों की पारी के दम पर 5 विकेट पर 216 रन बनाए; ओपनर बल्लेबाज़ ने क्रीज पर लंबे समय तक टिककर 17 चौके जड़े। जवाब में सोनीपत किंग्स कभी भी जीत के करीब नहीं पहुंच पाई। कुणाल नागर (60) ने ही कुछ संघर्ष किया, जबकि अयान सिद्दीकी ने 19 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम को 125 रन पर ऑल-आउट करके 91 रनों से जीत दिलाई। अर्थव शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। दूसरे समीफाइनल में सिद्धार्थ तोमर की फ़िफ़्टी ने करीम कैपिटल चार्जर्स को नोएडा ब्लेज़ पर जीत दिलाई नोएडा ब्लेज ने चार विकेट पर 160 रन बनाए, जिसमें आकिब सैफी (39) और सक्षम असवाल (38 नाबाद) ने ज्यादातर रन बनाए। करीम कैपिटल चार्जर्स ने एक ओवर बाकी रहते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। सिद्धार्थ तोमर ने 46 गेंदों में 65 रन बनाए और प्रियांशु यादव ने 36 रन का योगदान दिया, जिससे टीम ने छह विकेट से जीत दर्ज की। सिद्धार्थ तोमर को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया

भारत और इंग्लैंड मैच से पहले अभिषेक शर्मा को लगा बड़ा झटका

- ईशान किशन ने छीना नंबर वन का ताज

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को बड़ा झटका लगा है. वो अब टी20 के नंबर वन बल्लेबाज नहीं रहे. ये स्थान अब उनके साथी ईशान किशन ने हासिल कर लिया है। इसके साथ ही अभिषेक का लगभग एक साल से टॉप पर बने रहने का दबदबा खत्म हो गया है. बुधवार को जारी द्धष्टष्ट की ताजा रैंकिंग में किशन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की. वो अब 876 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर हैं. अभिषेक अब किशन से सिर्फ सात रेटिंग पॉइंट पीछे हैं। इसके अलावा किशन अब विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव जैसे दिग्गजों की उस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने टी-20 क्रिकेट में नंबर 1 रैंकिंग हासिल की है. वे ऐसा करने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं।

आईसीसी टी-20 के टॉप 5 बल्लेबाज

ईशान किशन – 876 रेटिंग
अभिषेक शर्मा – 869 रेटिंग
साहिबजादा फरहान – 848 रेटिंग
फिल साल्ट – 792 रेटिंग
पाथुम निसांका – 751 रेटिंग

ट्रेविस हेड बने नंबर वन टेस्ट बल्लेबाज

आईसीसी की ताजा रैंकिंग में एक और बड़े बदलाव देखने को मिला. जिसमें ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड अपने करियर में पहली बार टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गए हैं. उन्होंने ये स्थान इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक को पछाड़कर हासिल की है. ब्रूक दूसरे स्थान पर खिसक गए, जबकि रूट दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गए। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी के दूसरे स्थान पर खिसकने के बाद, भारत के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में फिर से नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है.।

बेल्जियम दौरे के लिए भारतीय जूनियर हॉकी टीम का ऐलान, अनमोल इक्का को मिली कप्तानी

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने 5 से 18 जुलाई तक होने वाले बेल्जियम दौरे के लिए 22 सदस्यीय जूनियर (अंडर-21) पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कप्तानी डिफेंडर अनमोल इक्का करेंगे। यह दौरा नए मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में भारतीय जूनियर टीम का पहला अंतरराष्ट्रीय असाइनमेंट होगा। यह दौरा इस साल के आखिर में होने वाले जूनियर एशिया कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। यूरोप की मजबूत टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा और टीम को अपने संयोजन व रणनीति को परखने का मौका भी मिलेगा।

ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड से होगी भिड़ंत – भारत इस दौरे पर कुल छह मुकाबले खेलेगा। टीम

ऑस्ट्रिया और मेजबान बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मुकाबला होगा।

भारत का कार्यक्रम
7 जुलाई - ऑस्ट्रिया
8 जुलाई - ऑस्ट्रिया
10 जुलाई - बेल्जियम
13 जुलाई - जर्मनी
14 जुलाई - बेल्जियम
17 जुलाई - नीदरलैंड

कांस्य पदक जीतने वाली टीम के कई खिलाड़ी शामिल – अनमोल इक्का, एडरोहित इक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे जिसने पिछले साल तमिलनाडु में आयोजित जूनियर हॉकी विश्व कप में कांस्य पदक जीता था। इन खिलाड़ियों से एक बार फिर टीम को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोच फ्रेडरिक सोयेज ने क्या कहा- मुख्य कोच फ्रेडरिक सोयेज ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह दौरा टीम को हर स्तर पर बेहतर बनाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह दौरा हमारे खेल, टीम संयोजन, रणनीतिक अनुशासन और अहम मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा। साथ ही खिलाड़ियों के बीच एकता और आत्मविश्वास भी मजबूत होगा।' सोयेज ने आगे कहा, 'यह दौरा खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मांगों को समझने और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की मानसिकता विकसित करने में भी मदद करेगा।'

भारतीय जूनियर टीम

गोलकीपर: विवेक लाकड़ा, कुणाल तेवतिया

डिफेंडर: अनमोल इक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत टिर्की, वी मणिमारन

मिडफील्डर: एडरोहित इक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकड़ा

फॉरवर्ड: अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन सेस, लवनूर सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, गुरुसेवक सिंह।

विंबलडन 2026

रोमांचक मुकाबले में बेरेटिनी से हारे वावरिंका, भावुक अंदाज में कहा अलविदा

इटली (एजेंसी)। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका का विंबलडन सफर भावुक अंदाज में समाप्त हो गया। पहले दौर में इटली के माटेओ बेरेटिनी ने चार घंटे 20 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वावरिंका को 6-7(7), 7-6(16), 7-6(7), 7-6(5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मैच के बाद वावरिंका ने स्वीकार किया कि अब उनके करियर को अलविदा कहने का समय आ गया है।

चार घंटे 20 मिनट तक चला रोमांचक मुकाबला – 41 साल और 106 दिन की उम्र में पुरुष एकल ड्रॉ के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी वावरिंका ने बेरेटिनी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने पहला सेट टाई-ब्रेक में 9-7 से अपने नाम किया, लेकिन 2021 विंबलडन फाइनलिस्ट बेरेटिनी ने दूसरे सेट का बेहद रोमांचक टाई-ब्रेक 18-16 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

टाई-ब्रेक में बेरेटिनी ने दिखाई दमदार वापसी – अंधेरा होने के बाद सेंटर कोर्ट की छत बंद कर दी गई, लेकिन मुकाबले का रोमांच कम नहीं हुआ। तीसरे सेट में बेरेटिनी ने सर्विस ब्रेक

हासिल किया, हालांकि वावरिंका ने तुरंत वापसी कर ब्रेक वापस ले लिया। इसके बाद बेरेटिनी ने लगातार दो टाई-ब्रेक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया और दूसरे दौर का टिकट कटाया।

वावरिंका के जज्बे ने जीता दर्शकों का दिल – आखिरी अंक के बाद स्कोरबोर्ड पर बेरेटिनी की जीत दर्ज थी, लेकिन सेंटर कोर्ट तालियों से वावरिंका के लिए गूंज उठा। स्विस दिग्गज ने उम्र के इस पड़ाव पर भी जिस जज्बे और संघर्ष का प्रदर्शन किया, उसने इस मुकाबले को विंबलडन 2026 के शुरुआती दौर के सबसे यादगार मैचों में शामिल कर दिया।

'जिससे प्यार हो, उसे अलविदा कहना आसान नहीं' – मैच के बाद भावुक वावरिंका ने कहा, 'जिस चीज़ से आप इतना प्यार करते हैं, उसे अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता। मैं हमेशा इस खेल के लिए जुनूनी रहा हूं और शुक्रगुजार हूं कि मुझे यहां आखिरी बार खेलने का मौका मिला। इससे बेहतर विदाई की मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था। मैं संन्यास नहीं लेना चाहता, लेकिन अब रुकने का समय आ गया है। इतने लंबे समय तक खेलने की वजह आज रात जैसे पल ही थे।'

2026 सीजन के अंत में लेंगे संन्यास – वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के अंत में पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। दूसरी ओर, इस जीत के साथ बेरेटिनी ने एक बार फिर विंबलडन में लंबा सफर तय करने की अपनी उम्मीदें मजबूत कर ली हैं।

राजस्थान के 5 तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन

जयपुर(एजेंसी)। भारतीय तीरंदाजी संघ द्वारा 26 से 29 जून तक भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर राजस्थान के पांच प्रतिभाशाली तीरंदाजों का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन किया गया है. यह राजस्थान के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है। राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि अनुज कुमार और सब-जूनियर कंपाउंड बालक वर्ग में आर्यन पारीक का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात) के लिए किया गया है. इसी प्रकार जूनियर रिकर्व महिला वर्ग की प्रतिभाशाली तीरंदाज प्रांजल ठोलिया एवं खुशी कुमावत का चयन एशियाई युवा तीरंदाजी चैंपियनशिप (दुबई, संयुक्त अरब अमीरात), कोरिया आमंत्रण तीरंदाजी प्रतियोगिता (केएए इनविटेशनल टूर्नामेंट) और एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए हुआ है. वहीं जूनियर कंपाउंड पुरुष वर्ग के सचिन चेहची का चयन एशिया कप तीरंदाजी प्रतियोगिता (चीन एवं इराक) के लिए किया गया है। तीरंदाजी का स्तर बढ़ रहाः राजस्थान आर्चरी एसोसिएशन के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि राजस्थान के खिलाड़ियों का लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए भारतीय टीम में चयन होना राज्य में तीरंदाजी के बढ़ते स्तर का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी आगामी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश एवं प्रदेश का नाम रोशन करेंगे ।

आस्ट्रेलिया 8वीं बार महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में

सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से रौंदा

ओवल (एजेंसी)। मंगलवार को 'द ओवल' में खेले गए पहले सेमीफाइनल में, छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट इंडीज़ को आसानी से हराकर विमेंस ञ्20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में अपनी जगह

पक्की कर ली। पहले गेंदबाजी करने का फैसला करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने वेस्टइंडीज को 125 रन पर रोक दिया और फिर 13 ओवर में ही इस आसान लक्ष्य को हासिल कर लिया।

मिडिल ओवरों में वेस्टइंडीज का 12 रन पर 4 विकेट गंवाना उन पर भारी पड़ा. इसकी वजह से मैच का रुख पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में मुड़ गया और वेस्टइंडीज के पास बचाव के लिए बहुत कम रन बचे।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें आठ चौकों शामिल थे. जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का की मदद 20 गेंद में 35 रन बनाए।

इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे. कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी. आस्ट्रेलिया के लिये कप्तान सोफी मोलिनू, जॉर्जिया वेयरहैम और एशले गार्डनर ने दो दो विकेट लिये।

एमसीसी की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित हुए पुजारा, कहा- इंग्लैंड दूसरे घर जैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेतेश्वर पुजारा ने अपने टेस्ट करियर के दौरान आस्ट्रेलिया में कुछ बेहतरीन पारियां खेली लेकिन हाल ही में एमसीसी की आजीवन सदस्यता पाने वाले इस पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि इंग्लैंड उन्हें दूसरे घर जैसा लगता है। भारतीय टीम के साथ तीन बार इंग्लैंड का दौरा करने वाले पुजारा काउंटी क्रिकेट में कई टीमों के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने राजकोट के बाद अपना सबसे अधिक समय इंग्लैंड में बिताया है।

प्रसिद्ध लॉर्ड्स स्टेडियम में स्थित मैरीलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता से सम्मानित पुजारा ने कहा, 'मैं काउंटी क्रिकेट में काफी खेला हूं। इसलिए जब आप वहां बहुत क्रिकेट खेलते हैं तो आपको घर जैसा महसूस होने लगता है। मेरे लिए ख्र्ष्टष्ट का हिस्सा बनना बहुत खुशी और सौभाग्य की बात है।' इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इंटरव्यू में कहा, 'ख्र्ष्टष्ट की मानद सदस्यता मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। एक क्रिकेटर के तौर पर जब आपने अपने पूरे करियर में कड़ी मेहनत की हो और जब उसे पहचान मिले तो फिर आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस होता है।'

पुजारा ने लॉर्ड्स में जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, उनमें से भारत ने दो मैच जीते। भारत की तरफ से वह इस ऐतिहासिक मैदान पर शतक नहीं लगा पाए लेकिन उन्होंने ससेक्स की तरफ से खेलते हुए यहां दोहरा शतक लगाया है। भारत की तरफ से 103 टेस्ट मैच खेलने वाले पुजारा दुनिया के सभी प्रसिद्ध मैदानों पर खेले हैं लेकिन लॉर्ड्स में खेलने का अनुभव कुछ अलग ही होता है।

उन्होंने कहा, 'लॉर्ड्स में क्रिकेट खेलने और वहां क्रिकेट देखने की मेरी कुछ अच्छी यादें हैं। 2011 में मेरे घुटने की सर्जरी लंदन में हुई थी और इसके लिए जब मैं वहां डॉक्टर से सलाह ले रहा था, तो मैंने लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड का का दौरा किया। क्योंकि उससे पहले मैं कभी लॉर्ड्स में नहीं खेला था।' पुजारा ने कहा, 'जब आप उस मैदान में कदम रखते हैं, तो उसका एक अलग ही माहौल और अलग ही ऊर्जा होती है। जब आप एमसीसी के आजीवन सदस्य बन जाते हैं, तो आपको वहां जाकर क्रिकेट देखने का विशेषाधिकार मिल जाता है। मेरा बचपन से ही सपना था कि मैं वहां क्रिकेट खेलूं।'

श्रीसंत को केरल क्रिकेट संघ से बड़ी राहत, तीन साल का प्रतिबंध हटाया, चेतावनी भी दी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को बुधवार को हटा लिया। यह प्रतिबंध संघ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसने अपनी विशेष आम बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। हालांकि, एसोसिएशन ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा कोई भी व्यवहार करने पर उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिबंध हटने के बाद श्रीसंत केरल क्रिकेट लीग के तीसरे सीजन में 'एरीज कोल्लम सेलर्स' फ्रैंचाइजी के सह-मालिक के तौर पर बने रह सकेंगे। चष्ट ने पिछले चष्टरु सीजन से पहले यह प्रतिबंध लगाया था।